महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 303 | उज्जैन, बुधवार 15 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

शांत रहकर परिस्थितियों को समझना सीखो, क्योंकि हर कोई आपके जवाब के लायक नही होता.

न्यूज ब्रीफ

बिहार में नीतीश राज खत्म, बीजेपी के सम्राट चौधरी नये सीएम

नई दिल्ली/ जीएनएस। लंबे इंतजार के बाद बिहार में बीजेपी को अपना मुख्यमंत्री बनाने में कामयाबी मिली.नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद बतौर सीएम बीजेपी के सम्राट चौधरी के नाम की घोषणा हो गई.बिहार में दो दशक बाद अंततः नीतीश युग खत्म हुआ.पर्यवेक्षक बनाए गए केंद्रीय कृषि व ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी में बीजेपी विधानमंडल दल ने सम्राट चौधरी को अपना नया नेता चुना.बुधवार को लोकभवन में सम्राट के शपथ ग्रहण करते ही बिहार को नया मुख्यमंत्री मिल जाएगा.2025 में विधानसभा के लिए मुंगेर जिले के तारापुर से निर्वाचित बीजेपी नेता सम्राट चौधरी नीतीश मंत्रिमंडल में उप-मुख्यमंत्री और गृहमंत्री रहे हैं.उनके पिता भी कद्दावर राजनेता थे.बिहार में सत्ता परिवर्तन की पटकथा उस दिन ही लिख दी गई थी जब नीतीश मुख्यमंत्री के लिए चुन लिए गए.सीएम रहते राज्यसभा का सदस्य बनने वाले वे पहले नेता होंगे.करीब 20 साल तक नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री रहे.इस्तीफा सौंपने के पहले नीतीश ने सबसे पहले डॉ.भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और फिर अपने कैबिनेट की आखिरी बैठक की.इस बैठक में उन्होंने कहा, 2005 में मैं सरकार में आया, जहां तक मुझसे जो हो सका वह मैंने किया.नई सरकार को मेरा मार्गदर्शन मिलता रहेगा उन्होंने बिहार के विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद दिया.इस बैठक में माहौल भावुक रहा.दो-तीन मंत्री रोते हुए भी देखे गए.अपने मन-मिजाज से राजनीति करने वाले नीतीश की धमक राष्ट्रीय राजनीति में भी बनी रही.पक्ष-विपक्ष, दोनों को ही वे स्वीकार्य रहे.उन्होंने राज्य में कानून का राज स्थापित किया तथा गवर्नेंस को नई दशा-दिशा दी.इसलिए उन्हें सुशासन बाबू की संज्ञा दी गई।

दीदी कान खोलकर सुन लो, बंगाल की धरती पर बाबरी मस्जिद नहीं बनने देंगे

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में चुनावी रैली को संबोधित किया। शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, ये दीदी अपने हुमायूं कबीर को साथ में रखकर यहां बाबरी मस्जिद बनाना चाहती है। दीदी कान खोलकर सुन लो भाजपा की सरकार आ रही है और बंगाल की भूमि पर बाबरी मस्जिद हम नहीं बनने देंगे। ये हुमायूं कबीर दीदी का ही एजेंट है और दीदी आपके इशारे पर वो बाबरी मस्जिद बना रहा है। दीदी आपका समय अब समाप्त हो गया है। यहां भाजपा सरकार आने वाली है यहां बाबरी मस्जिद नहीं बन सकता है। अमित शाह ने वादा किया कि पश्चिम बंगाल से अन्य राज्यों को आलू की आपूर्ति करने की इजाजत दी जाएगी ताकि यहां के किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार बनने पर पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा, सिंडिकेट राज का खात्मा किया जाएगा और घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा। शाह ने पार्टी के घोषणापत्र में किए गए वादों को भी दोहराया कि उत्तरी बंगाल में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 600 बिस्तर के कैंसर अस्पताल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय प्रबंधन संस्थान और खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। गृह मंत्री शाह ने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि राजबंशी भाषा को संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा और दार्जिलिंग में एक पारिस्थितिकी अनुकूल रोमांचक खेल केंद्र की स्थापना की जाएगी।मालदा में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, चुनाव आयोग स्क्रूकर रहा है, घुसपैठियों के नाम निकाल रहा है लेकिन दीदी इनके लिए रो रही हैं। दीदी, आपका समय अब समाप्त हो गया है।

एमपी में नारी शक्ति वंदन का शंखनाद

महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को मिलेंगी नई ऊंचाइयां : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रवीन्द्र भवन में 15 अप्रैल को होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं की राजनीतिक सहभागिता और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों को नई ऊंचाइयां देने के लिए राज्य सरकार द्वारा ऐतिहासिक पहल की जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम की मूल भावना को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से प्रदेश भर में 10 से 25 अप्रैल तक ÷नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा÷ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में 15 अप्रैल को शाम 4 बजे रवीन्द्र भवन में राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम होगा। इस दौरान ÷महिला नेतृत्व की यात्रा÷ विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जो महिला शक्ति के गौरवशाली इतिहास और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाएगी।

इस गरिमामयी समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव शामिल होंगे और शासन व्यवस्था में महिलाओं की प्रत्यक्ष भागीदारी सुनिश्चित करने और नीति-निर्माण की प्रक्रियाओं में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने पर विशेष विमर्श करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर प्रदेश की महिलाओं को संबोधित भी करेंगे और सरकार के उस संकल्प को दोहराएंगे, जिसके तहत मध्यप्रदेश की लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं की आवाज और अधिक मुखर होगी।

कार्यक्रम में महिला सशक्तिकरण की दिशा में सक्रिय प्रदेश की अग्रणी महिला नेत्रियां शामिल होंगी। समारोह में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी और श्रीमती राधा सिंह सहित प्रतिष्ठित शिक्षाविद सुश्री शोभा पेठणकर की विशेष रूप से उपस्थिति रहेगी।

जमीन से लेकर शिखर तक का प्रतिनिधित्व- समारोह में विभिन्न क्षेत्रों की उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त महिलाओं को आमंत्रित किया गया है। इसमें पद्मश्री से सम्मानित विभूतियां, महिला चिकित्सक, वकील, कलाकार और इंजीनियर शामिल होंगी। साथ ही, समाज की मुख्यधारा को गति देने वाली लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, स्व-सहायता समूहों की सदस्य, मैदानी स्तर पर कार्य करने वाली पर्यवेक्षक एवं परियोजना अधिकारी और महिला मीडिया प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनेंगी।

गांव-गांव तक फैलेगी चेतना की लहर- पखवाड़े के दौरान केवल भोपाल ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में जन-जागरूकता के अभियान चलाए जा रहे हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती प्रदेश की समस्त ग्राम पंचायतों में विशेष ग्राम सभाएं आयोजित हो रही हैं।

जिनमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम के महत्व पर ग्रामीण महिलाओं के साथ संवाद हुआ। साथ ही प्रत्येक विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में नारी शक्ति पदयात्रा और शिक्षण संस्थानों में युवा संवाद जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी को इस सामाजिक बदलाव से जोड़ा जा रहा है। शासन का मानना है कि महिलाओं की निर्णय क्षमता में वृद्धि होने से न केवल सामाजिक चेतना आएगी, बल्कि जन-विश्वास भी और अधिक गहरा होगा।

दाखिले की प्रक्रिया के बीच UGC ने फर्जी विश्वविद्यालयों को लेकर किया अलर्ट

नई दिल्ली/ जीएनएस। उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले की शुरू हुई प्रक्रिया के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों, अभिभावकों व आमजनों को फर्जी विश्वविद्यालय व संस्थानों को लेकर सतर्क किया है। साथ ही कहा है कि वे उनके गारंटीड प्लेसमेंट, छात्रवृत्ति जैसे लुभावने झांसों में बिल्कुल न फंसे। यदि कहीं फर्जी विश्वविद्यालय या संस्थान उनकी जानकारी में आएं तो तुरंत उन्हें सूचित भी करें।

यूजीसी ने छात्रों को किया अलर्ट - यूजीसी ने इसे लेकर पहली बार एक ईमेल भी जारी किया है। यूजीसी ने सार्वजनिक सूचना जारी कर फर्जी विश्वविद्यालयों व संस्थानों से सतर्क रहने व बचने की यह गुहार तब लगाई है, जब देश में हर साल बड़ी संख्या में छात्र इन फर्जी संस्थानों के जाल में फंस रहे है। इतना ही नहीं, फर्जी संस्थान एक जगह पकड़े जाने पर किसी दूसरे राज्य या शहर में नए नाम से अपना जाल फैला देते है। पिछले कुछ सालों में देश में चल रहे ऐसे 32 फर्जी संस्थानों को पकड़ा गया है। जिन्हें यूजीसी ने फर्जी विश्वविद्यालय की सूची में रखने के साथ ही इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी कर चुकी है।

खासबात यह है कि इन फर्जी विश्वविद्यालयों की दाखिले के समय ही सक्रिय होते है। ऐसे में यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले की दौड़ में शामिल छात्रों व अभिभावकों को इनसे सतर्क किया। साथ ही असली विश्वविद्यालयों की पहचान के लिए यूजीसी की वेबसाइट को देखने की सलाह दी है।

इसके साथ ही कहा कि यदि कहीं भी फर्जी विश्वविद्यालय व संस्थान उनकी जानकारी में आए, तो तुरंत उसकी जानकारी साझा करने को कहा है, ताकि ऐसे संस्थानों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सके।

अमेरिका-ईरान वार्ता के बाद पीएम मोदी ने ट्रंप से की बात, 40 मिनट तक चली चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के बीच बातचीत हुई है। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों नेताओं के बीच करीब 40 मिनट तक फोन पर बात हुई।

पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच शांति-वार्ता रखी गई थी, लेकिन इस हाई-लेवल मीटिंग में कोई रास्ता नहीं निकला। स-ईरान के बीच इस बातचीत के बाद अब डोनल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी से बात की है।

पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच बातचीत- पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत का ब्योरा अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इस 40 मिनट तक चली फोन कॉल से संकेत मिलता है कि दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है।

लखीमपुर में आंबेडकर की प्रतिमा तोड़े जाने के बाद बवाल, पुलिस वाहनों में तोड़फोड़

लखीमपुर/ जीएनएस। यूपी के लखीमपुर जिले के बांकेगंज क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है, जहां बीआर आंबेडकर जयंती के दिन ही अराजक तत्वों द्वारा उनकी प्रतिमा तोड़े जाने के बाद हालात अचानक बिगड़ गए। घटना के बाद इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और देखते ही देखते भीड़ उग्र हो उठी।

प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। गुस्साई भीड़ ने हंगामा करते हुए पुलिस पर भी आक्रोश जताया और कुछ पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की गई। स्थिति को देखते हुए प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ-साथ अतिरिक्त फोर्स मौके पर पहुंच गई है और हालात को काबू में करने का प्रयास जारी है। पूरे क्षेत्र में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है, जबकि अफसर लगातार मौके पर डटे हुए हैं।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है और माहौल बिगाड़ने वाले तत्वों की पहचान कर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही है। फिलहाल हालात पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कौन बनेगा केरलम का मुख्यमंत्री? रिजल्ट से पहले ही कांग्रेस में शुरू हुई दौड़

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हो चुका है। कांग्रेस पार्टी के लगता है कि इस बार हवा उनके पक्ष में है। इसी बीच कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री पद की दौड़ भी शुरू हो गई है।

इस दौड़ में तीन नाम प्रमुख तौर पर आगे चल रहे हैं, उनमें विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, विपक्ष के पूर्व नेता रमेश चेन्निथला और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हैं। सतीशन और चेन्निथला ने चुनाव लड़ा है, जबकि वेणुगोपाल अलाप्पुझा से सांसद हैं। चुनाव प्रचार के दौरान, कांग्रेस ने मुख्यमंत्री पद को लेकर किसी के नाम का एलान नहीं किया था। पार्टी का कहना था कि चुनाव के बाद पार्टी हाईकमान इस पर फैसला करेगा। हालांकि, 9 अप्रैल को वोटिंग के बाद से ही मुख्यमंत्री पद के दावेदारों ने इस पद के लिए जोर लगाना शुरू कर दिया है। सोशल मीडिया पर जोरदार प्रचार चल रहा है, खासकर सतीशन और वेणुगोपाल के लिए।

राहुल गांधी के करीबी हैं केसी वेणुगोपाल- वेणुगोपाल को राहुल गांधी का करीबी माना जाता रहा है, जिसने पार्टी का नेतृत्व किया, चुनाव की रणनीतियां बनाई और कई संकटों से पार्टी को उबारा।

केपीसीसी के अध्यक्ष सन्नी जोसेफ ने वेणुगोपाल के मुख्यमंत्री बनने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि,दृष्टि की एक प्रक्रिया है, मुख्यमंत्री पद के लिए कई नाम सामने आ सकते हैं। यह फैसला विधायकों की राय के आधार पर नहीं लिया जाता, लेकिन उसने राय जरूर ली जाएगी। सन्नी पिछले साल वेणुगोपाल के समर्थन से ही केपीसीसी के अध्यक्ष बने थे।

वीडी सतीशन के समर्थकों ने जताया भरोसा- मुख्यमंत्री पद के एक और दावेदार सतीशन का गृह जिला एर्नाकुलम है। डीसीसी अध्यक्ष मुहम्मद शियास ने कहा कि अगले मुख्यमंत्री एर्नाकुलम जिले से ही होंगे। हम एर्नाकुलम से मुख्यमंत्री बनने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फैसला लेना पार्टी का काम है। पार्टी हाईकमान तय करेगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा।

चेन्निथला, सबसे वरिष्ठ नेता- चेन्निथला तीनों दावेदारों में सबसे वरिष्ठ नेता हैं। वह 2016 से 2021 तक विपक्ष के नेता रहे हैं और अगर पार्टी 2021 में जीतती, तो मुख्यमंत्री पद की वही स्वाभाविक पसंद होते, लेकिन 2021 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के सत्ता में वापस न आ पाने के बाद चेन्नाथला को यह पद छोड़ना पड़ा। चेन्निथला का खेमा अब भी यह उम्मीद लगाए बैठा है कि यह सीनियर नेता ही विजेता बनकर उभरेगा।

चुनाव के बाद होगा फैसला - फिलहाल ये कांग्रेस के भीतर अपने नेताओं के नाम मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाने में समर्थक जोर-शोर से जुटे हैं। लेकिन चुनाव के नतीजों के बाद ही पता चलेगा कि कांग्रेस इन चुनावों के मुख्यमंत्री बनाने की स्थिति में होगी या नहीं।

बिना ब्याज 50 लाख लोन, हर साल 3 सिलेंडर फ्री; तमिलनाडु में BJP के वादे

नई दिल्ली/ जीएनएस। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने घोषणापत्र जारी कर दिया है। इसमें पार्टी ने महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता, मुफ्त गैस सिलेंडर और किसान सम्मान निधि समेत कई वादे किए हैं।

खास बात है कि भाजपा लंबे समय से दक्षिण भारत में विस्तार की कोशिश में है और AIADMK के साथ मिलकर चुनाव लड़ रही है। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा, घोषणापत्र की मुख्य बातें यह है कि AIADMK के नेतृत्व में सत्ता में आने पर हम घर की सभी महिला मुखियाओं को हर महीने 2,000 रुपये की सहायता देंगे और हर परिवार को एक बार में 10,000 रुपये की राशि दी जाएगी। हम हर साल मुफ्त एलपीजी सिलेंडर भी देंगे। तमिलनाडु में एक चरण में 23 अप्रैल को मतदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा, 'अपराधों को रोकने के लिए हम जीरो FIR रिपोर्टिंग शुरू करेंगे। हम गवाहों की सुरक्षा का इंतजाम करेंगे और यौन अपराधों समेत गंभीर अपराधों के लिए विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें बनाएंगे। बसों, स्कूलों और विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे ताकि कोई भी कोना निगरानी से बाहर न रहे। हम निर्भया फंड का सही इस्तेमाल करेंगे।'

नड्डा ने कहा, 'महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूहों और छोटे उद्योगों को 50 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त कर्ज दिया जाएगा और विनिर्माण इकाइयों के लिए यह अनिवार्य होगा कि वे अपनी खरीदारी का 20% हिस्सा इन समितियों से लें। हम पात्र महिलाओं को ई-स्कूटर खरीदने के लिए 25,000 रुपये देंगे।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, किसानों के लिए, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाले 6,000 रुपये के साथ हम 3,000 रुपये अलग से जोड़कर देंगे, जिससे हर किसान को साल में कुल 9,000 रुपये मिलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को तमिलनाडु में द्रमुक सरकार पर भ्रष्टाचार को व्यवस्था का हिस्सा बनाने का आरोप लगाया।

मेरा बूथ सबसे मजबूत कार्यक्रम के तहत पीएम मोदी ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से बात की थी। उन्होंने कहा था, तमिलनाडु में द्रमुक सरकार ने भ्रष्टाचार को व्यवस्था का अभिन्न अंग बना दिया है। हर विभाग अनियमितताओं में लिप्त है। कई मंत्री मुकदमों का सामना कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार, कमीशन और रिश्वतखोरी द्रमुक सरकार की पहचान बन गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय ऐसा भी था, जब द्रमुक के केंद्र सरकार में शामिल होने के बावजूद तमिलनाडु में कोई नई परियोजना नहीं आती थी और चाहे कितनी भी समस्याएं हों, उनका कोई समाधान नहीं किया जाता था। पीएम मोदी ने कहा था कि भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण ही तमिलनाडु के लोगों के बीच अब एक नया माहौल बना है।

पंजाब सरकार का बड़ा एलान, महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 1500 रुपये

जालंधर/ जीएनएस। बाबा साहिब अंबेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर एक निर्णायक कल्याण अभियान की शुरुआत करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज पंजाब में लगभग हर महिला के सशक्तिकरण के लिए एक योजना की शुरुआत की है, जिसके तहत प्रदेश भर की महिलाओं को 1000 से 1500 रुपये तक की मासिक वित्तीय सहायता दी जाएगी।

इस योजना को बाबा साहिब अंबेडकर के सामाजिक न्याय और समानता के दृष्टिकोण के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि बताते हुए, मुख्यमंत्री ने रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया का शुभारंभ किया, जिसके तहत 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाएं केवल तीन दस्तावेजों के साथ इस योजना का लाभ ले सकती है, जबकि कैंपों और सहायक स्टाफ के एक विशाल नेटवर्क के माध्यम से महिलाओं को उनके घर पर ही सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। यह योजना पहले 9 हलकों में शुरू की जाएगी और 15 मई से इसका विस्तार शेष 108 हलकों में किया जाएगा। योजना का भुगतान जुलाई से शुरू होगा और रजिस्ट्रेशन के लिए कोई समय सीमा नहीं होगी। इससे प्रत्येक पात्र महिला को लाभ की गारंटी प्रदान की गई है, चाहे वह कभी भी रजिस्ट्रेशन करवाए।

26,000 रजिस्ट्रेशन केंद्रों और हर गांव और वार्ड में तैनात समर्पित महिला सतिकार सखियों के साथ, इस योजना को बड़े पैमाने पर लागू करने, बेहतर पहुंच सुनिश्चित करने और निश्चितता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है, जो इसे देश में महिलाओं के लिए सबसे व्यापक प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता पहलों में से एक बनाती है।

कनाड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाई, देशी पिस्टल व जिंदा कारतूस के साथ शातिर आरोपी गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस थाना कनाड़िया पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने एक शातिर आरोपी को देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है, जो किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता था।

शहर में अवैध हथियारों की तस्करी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा सख्त निर्देश दिए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त राजेश सिंह, पुलिस उपायुक्त जोन-02 कुमार प्रतीक, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेंद्र सिंह तथा सहायक पुलिस आयुक्त खजराना कुंदन सिंह मंडलोई के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

जानकारी के अनुसार, 13 अप्रैल 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने साहारा सिटी कॉलोनी बायपास के पास घेराबंदी कर आरोपी नब्बु उर्फ निर्भय सिंह मालवीय (उम्र 60 वर्ष), निवासी शिवनगर मुसाखेड़ी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक हस्तनिर्मित देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस तथा एक मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार जब्त की गई, जिसकी कुल कीमत लगभग 6 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पूछताछ में आरोपी के अन्य आपराधिक मामलों से जुड़े होने की जानकारी भी सामने आई है। उसके खिलाफ पूर्व में थाना बारोठ जिला देवास में मारपीट और झगड़े के मामले, थाना जीआरपी इंदौर में शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य अपराध दर्ज हैं, वहीं एक तिहरे हत्याकांड से भी उसका संबंध बताया जा रहा है।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सहर्ष यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस की इस सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से शहर में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

थाना बाणगंगा में फॉरेंसिक छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण, पुलिस कार्यप्रणाली की मिली गहन जानकारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के बी.एससी. एवं एम.एससी. फॉरेंसिक साइंस के लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने 13 अप्रैल 2026 को थाना बाणगंगा का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान फॉरेंसिक साइंस विभाग के सहायक प्राध्यापक श्री निर्वाण इंगोले और सुश्री आयुषी बैरागी भी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक सियाराम सिंह गुर्जर के निर्देशन में उप निरीक्षक शुभम पान्डे ने छात्र-छात्राओं को पुलिस की कार्यप्रणाली और फॉरेंसिक विज्ञान के व्यावहारिक उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने थाना स्तर पर किए जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों जैसे एफआईआर दर्ज करने की प्रक्रिया, पुलिस डायरी का संधारण, अपराध स्थल निरीक्षण और भौतिक साक्ष्यों के संकलन एवं संरक्षण के बारे में समझाया। साथ ही जांच प्रक्रिया में फॉरेंसिक विज्ञान की भूमिका को भी विस्तार से बताया गया।

इस दौरान विद्यार्थियों को अपराध स्थल प्रबंधन, साक्ष्य संग्रहण की तकनीक और चेन ऑफ कस्टडी के महत्व को प्रायोगिक उदाहरणों के माध्यम से समझाया गया। थाना बाणगंगा में उपयोग की जाने वाली विवेचना किट और विसरा प्रदर्शों के प्रबंधन की जानकारी भी छात्रों को दी गई। इसके अलावा जांच के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों और न्यायालयीन प्रक्रिया में साक्ष्यों की अहमियत पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रश्नोत्तर सत्र में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और उपयोगी साबित हुआ, जिससे उन्हें फॉरेंसिक विज्ञान और पुलिस कार्यप्रणाली की वास्तविक समझ विकसित करने का अवसर मिला।

72 फीट लंबे पीतल पट्ट पर उकेरे 193 देशों के प्रतीक चिन्ह, आंबेडकर जयंती पर विश्व शांति का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में एक अनूठा प्रयोग किया जा रहा है। इस अवसर पर 72 फीट लंबे पीतल के पट्ट पर दुनिया के 193 देशों के प्रतीक चिन्हों को उकेरा जाएगा। रविवार को इस विशाल पीतल पट्ट को काटने का महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस नवाचार का उद्देश्य संविधान के मूल्यों के साथ विश्व बंधुत्व का प्रसार करना है।विश्व कल्याण और सर्वेभवन्तु सुखिनः का उद्घोष

संविधान से देश पुस्तक के माध्यम से डॉ. आंबेडकर की जयंती पर इस 72 फीट लंबे और 5 इंच चौड़े पीतल पट्ट को जारी करने की व्यापक तैयारी की जा रही है। इस पट्ट पर सर्वेभवन्तु सुखिनः के पावन उद्घोष के साथ विश्व के सभी 193 देशों के प्रतीक चिन्हों को शामिल किया गया है। आयोजकों का मानना है कि इस प्रयास से न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति स्थापित करने की प्रेरणा मिलेगी बल्कि वैश्विक एकता का संदेश भी प्रसारित होगा।

एक किलो वजन, 72 फीट लंबाई- इस विशेष पीतल पट्ट का कुल वजन लगभग 1 किलोग्राम है। रविवार को इसकी कटाई का कार्य पूरा करने में विशेषज्ञों को करीब 3 घंटे 10 मिनट का समय लगा। कटाई के साथ ही इसकी सफाई का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है। सोमवार को इस पर सभी देशों के प्रतीक चिन्हों की प्रिंटिंग का कार्य किया जाएगा। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि 72 फीट लंबा होने के बावजूद इसे आसानी से फोल्ड करके रखा जा सकता है, जिससे इसे कहीं भी ले जाना सुलभ होगा।

कर्नाटक के राज्यपाल की प्रेरणा से हो रहा कार्य- यह सराहनीय कार्य एडवोकेट लोकेश मंगल द्वारा किया जा रहा है, जो पहले भी पीतल पर विभिन्न कलाकृतियां उकेरने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह परियोजना कर्नाटक के माननीय राज्यपाल थावरचंद गेहलोत की प्रेरणा से मूर्त रूप ले रही है। इस कार्य में लगभग 80 अधिवक्ताओं का सहयोग भी प्राप्त हो रहा है। उन्होंने समाज से अपील की है कि सभी सर्वेभवन्तु सुखिनः के भाव को समझें और इसे अपने जीवन में आत्मसात करें।

थाना पलासिया की त्वरित कार्यवाही, 6 घंटे में गुम नाबालिग बालिका को सकुशल खोजकर परिजनों को सौंपा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के थाना पलासिया क्षेत्र में पुलिस की त्वरित और संवेदनशील कार्यवाही का सराहनीय उदाहरण सामने आया है, जहां गुम हुई 14 वर्षीय नाबालिग बालिका को महज 6 घंटे के भीतर सकुशल खोजकर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

शहर में गुम बालक-बालिकाओं के मामलों को प्राथमिकता से लेते हुए शीघ्र और प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा पूर्व में ही जारी किए गए हैं। इन्हीं निर्देशों के तहत पुलिस उपायुक्त ज़ोन-03 और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ज़ोन-03 के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त संयोगितागंज श्री तुषार सिंह के निर्देशन में थाना पलासिया पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ी ग्वालटोली निवासी फरियादी विजय ने 14 मार्च 2026 को अपनी 14 वर्ष 6 माह की नाबालिग बालिका के गुम होने की रिपोर्ट थाना पलासिया में दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई।

घटना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए थाना प्रभारी द्वारा तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने सक्रियता और सजगता के साथ कार्य करते हुए सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया और महज 6 घंटे के भीतर बालिका को ढूंढ निकाला। आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद बालिका को सुरक्षित रूप से उसके माता-पिता के हवाले कर दिया गया। इस सराहनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र सिंह रघुवंशी, उपनिरीक्षक जगदीश मालवीय, सहायक उपनिरीक्षक सुधीर शर्मा, आरक्षक जितेन्द्र तथा महिला आरक्षक रीना की विशेष भूमिका रही। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से न केवल एक परिवार को राहत मिली, बल्कि आमजन में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी और मजबूत हुई है।

जलूद में 300 करोड़ की लागत से बने सोलर प्लांट का काम पूरा, सीएम के हाथों लोकार्पण की तैयारी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 70 किलोमीटर दूर जलूद की जमीन पर तैयार हुए 300 करोड़ के सोलर प्लांट का काम पूरा हो चुका है। अगले माह इसका लोकार्पण हो सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव से इस बारे में मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने चर्चा की है। मंगलवार को मुख्यमंत्री इंदौर में होंगे। तब भी इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा होना है। 300 करोड़ की लागत से बने सोलर प्लांट से इंदौर नगर निगम को हर माह पांच करोड़ रुपये बिजली की बचत होगी।

जलूद में नगर निगम ने 60 मेगावाट का सोलर पार्क तैयार कर दिया है। नर्मदा जल को इंदौर लाने के लिए सूरज से पैदा होने वाली बिजली का उपयोग किया जाएगा। हर माह इससे पांच करोड़ रुपये बिजली बेचेगी। इंदौर तक नर्मदा जल लाने के लिए तीन करोड यूनिट बिजली लगती है। सौर उर्जा से 60 लाख यूनिट बिजली रोज पैदा होगी। यह प्रोजेक्ट डेढ़ साल पहले शुरू हुआ थाऔर अब बनकर तैयार हो चुका है। नगर निगम ने इस प्रोजेक्ट के लिए ग्रीन बांड जारी किए थे। नर्मदा नदी के पास 200 एकड़ जमीन पर नगर निगम ने सोलर पैनल लगवाए है। एनर्जी प्लांट की पॉवर ट्रांसमिशन लाइनों का काम भी पूरा हो चुका है। इसके अलावा 132 केवी सब स्टेशन भी इससे जोड़े जा चुके है। 200 एकड़ क्षेत्र के सात अलग-अलग सेक्टर में सोलर पैनल लग लगाई गई है। सोलर पैनल से बिजली का उत्पादन कर उसे ग्रिड तक भेजने की टेस्टिंग भी की जा चुकी है। नगर निगम ने जितनी राशि खर्च की है। वह दस साल में वसूल हो जाएगी। नगर निगम को हर माह 20 करोड़ रुपये बिजली बिल भरना पड़ता है। मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि यह प्रोजेक्ट नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाएगा।

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने किया कोक्लियर इंप्लांट रिहैबिलिटेशन क्लिनिक का शुभारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज एवं शासकीय महाराजा यशवंतराव अस्पताल इंदौर के ईएनटी विभाग में कोक्लियर इंप्लांट रिहैबिलिटेशन क्लिनिक का शुभारंभ गत दिवस किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े थे। कार्यक्रम में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि कोक्लियर इंप्लांट रिहैबिलिटेशन क्लिनिक अपनी तरह की पहली अत्याधुनिक सुविधा है, जहां श्रवणबाधित बच्चों को कोक्लियर इंप्लांट के उपरांत समग्र पुनर्वास सेवाएं निशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस मौके पर महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया, एमवाय अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, वरिष्ठ कोक्लियर इंप्लांट सर्जन डॉ. एस.पी. दुबे, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. आर.के. मूदड़ा तथा नोडल अधिकारी डॉ. जफर पठान उपस्थित थे।

ईएनटी की विभागाध्यक्ष डॉ. यामिनी गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में कोक्लियर इंप्लांट रिहैबिलिटेशन से संबंधित मरीजों की जानकारी पर केन्द्रित पुस्तिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर टेलीथेरेपी सेवा की भी शुरुआत की गई। इस सुविधा के माध्यम से दूर-दराज के क्षेत्रों में रहने वाले मरीजों को भी घर बैठे स्पीच थेरेपी और रिहैबिलिटेशन सेवाएं मिल सकेंगी। कार्यक्रम में डॉ. जगराम वर्मा, डॉ. शेनल कोठारी, डॉ. योगिता दीक्षित एवं डॉ. अंशुल शर्मा की भागीदारी रही।

विशेषज्ञों ने बताया कि कोक्लियर इंप्लांट सर्जरी के बाद मरीजों के बेहतर परिणाम के लिए रिहैबिलिटेशन और स्पीच थेरेपी अत्यंत आवश्यक होती है। नए क्लिनिक के माध्यम से मरीजों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनके सुनने और बोलने की क्षमता में प्रभावी सुधार संभव हो सकेगा। इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएं समाज के कमजोर वर्गों के लिए वरदान साबित होंगी और बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा दिवस पर इंदौर में जागरूकता कार्यक्रम, फायर रैली के माध्यम से दिया सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में राष्टीय अग्नि सुरक्षा दिवस के अवसर पर 14 अप्रैल 2026 को फायर स्टेशन मोती तबेला पर व्यापक अग्नि सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रमुख अधीक्षक आशीष कुमार पाठक ने किया, जिसमें अग्निशमन सेवा के सभी फायरकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत देश में अग्निशमन सेवा के दौरान शहीद हुए फायरकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखकर की गई। इसके बाद उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के महत्व, आग लगने की संभावित परिस्थितियों तथा उससे बचाव और नियंत्रण के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। आमजन में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से फायर स्टेशन मोती तबेला से एक भव्य अग्नि सुरक्षा रैली निकाली गई, जो राजवाड़ा, पलासिया और सपना संगीता होते हुए पुनः फायर स्टेशन पहुंचकर समाप्त हुई। रैली के माध्यम से नागरिकों को आगजनी से बचाव, सतर्कता और आपात स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर 14 से 20 अप्रैल 2026 तक अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाने की घोषणा भी की गई। इस दौरान शहर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें फायर मॉक ड्रिल, अग्नि सुरक्षा उपकरणों का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन, सुरक्षा संबंधी व्याख्यान और आमजन को आवश्यक सावधानियों की जानकारी देना शामिल है। अधिकारियों ने बताया कि इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को आपातकालीन परिस्थितियों में सही प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार करना और आगजनी की घटनाओं में जन-धन की हानि को न्यूनतम करना है। साथ ही नागरिकों से अपील की गई कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत अग्निशमन सेवा को सूचित करें।

भागवत कथा में शिव-पार्वती विवाह का भव्य आयोजन

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आरिहंत कॉलोनी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के अंतर्गत आज शिव-पार्वती विवाह का भव्य एवं आकर्षक आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर मातृशक्ति महिला मंडल द्वारा विशेष रूप से सहभागिता निभाई गई।

कार्यक्रम के दौरान मातृशक्ति महिला मंडल को अपनी ओर से आरती एवं प्रसादी वितरण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर संतोष पोरवाल, मंजू पोरवाल, मीना पोरवाल श्रीमती मधु खारोल , श्री वीना गानू, डॉ. पूजा राठौर, श्रीमती संजू भाटी, शिखा पोरवाल, माया , चंचल पोरवाल, ललिता पोरवाल, सोना भाभी, संगीता मेहता एवं रेखा पोरवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शिव-पार्वती विवाह की झांकी और बारात ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे आयोजन में भक्तों का उत्साह और आस्था देखते ही बन रही थी। मातृशक्ति महिला मंडल द्वारा किए गए इस सुंदर आयोजन की सभी ने सराहना की और इसे एक यादगार धार्मिक कार्यक्रम बताया। ओर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन ने भाग लिया।

जिलाबदर कुख्यात तस्कर के घर पर आबकारी का बड़ा एक्शन, बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में मदिरा के अवैध रूप से क्रय-विक्रय, भण्डारण तथा परिवहन करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के अंतर्गत एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जिलाबदर कुख्यात तस्कर के घर पर छापा डालकर बड़ी मात्रा में अवैध मदिरा जप्त की गई।

यह कार्रवाई सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल एवं फ्लाइंग स्क्वॉड प्रभारी श्री कमलेश सोलंकी द्वारा वृत्त सांवेर अंतर्गत ग्राम बड़ोदिया खान में की गई। आबकारी विभाग द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुख्यात शराब तस्कर महेश उर्फ एन.डी. के निवास से अवैध मदिरा जप्त की गई। कार्यवाही के दौरान कुल 62 पेटी देशी मदिरा (558 बल्क लीटर), 35 पेटी विदेशी मदिरा स्प्रिट (315 बल्क लीटर) तथा 4 पेटी विदेशी मदिरा बीयर (48 लीटर) जप्त की गई। इस प्रकार कुल 101 पेटी देशी एवं विदेशी मदिरा, कुल 921 बल्क लीटर मदिरा बरामद की गई। उक्त आरोपी पूर्व में जिलाबदर भी रह चुका है, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति स्पष्ट होती है।

उक्त कार्यवाही में आबकारी विभाग की टीम, जिसमें एडीईओ श्री धर्मेंद्र जोशी, श्री जहांगीर खान तथा उप निरीक्षक श्री त्रियांबिका शर्मा, श्री आशीष जैन एवं श्री बी.डी. अहिरवार का विशेष योगदान रहा। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध इस प्रकार की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों ने मनाई अम्बेडर की जन्म जयंती

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के 135 वीं जन्म जयंती के अवसर पर राज्य सफाई कर्मचारी मोर्चा आलोट ईकाई के पदाधिकारी, समस्त सफाई कर्मचारीयो द्वारा वार्ड नंबर 6 के वाल्मिक मोहल्ले से बाबा साहेब के नारे लगाते हुए वाहन रैली निकालकर तहसील परिसर पहुंचे जहां पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की मूर्ति पर फूलमाला पहनाकर उन्हें नमन किया गया। जहां पर कर्मचारी संगठन के जिला महामंत्री कमलेश उमरवाल,अनिल डुलगज,नगर अध्यक्ष मुकेश डुलगज महामंत्री सुनील उमरवाल,उपाध्यक्ष दिलीप खरे,राकेश उमरवाल,शरद खरे,पिंटू खरे,अक्षय खरे,राजू खरे,रितेश डुलगज,मोनू खरे,कुलदीप,कुल दीप खरे,राधे डुलगज,किशोर चौहान और भी कई पदाधिकारी ,सफाई कर्मचारी मौजूद थे।

घड़ी की दुकान पर समय नहीं सुधरे, तो हरि के द्वार चले जाना - पं. कमलकिशोर नागर

पिंजराया में सात दिवसीय भागवत कथा के चौथे दिन उमड़ा जनसैलाब, धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्मोत्सव

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हम डॉक्टर और वकील की बात तो तुरंत मान लेते हैं, लेकिन जब महात्मा कुछ कहते हैं तो उसे अनसुना कर देते हैं। यदि हम सबकी मानना छोड़कर केवल महात्मा की बात मान लें, तो भवसागर से पार हो जाएं। विडंबना यह है कि हम उन्हें मानते हैं जो हमें डुबोने वाले हैं। उक्त सारगर्भित विचार मालवी शैली के प्रखर वक्ता और लोकप्रिय कथावाचक पंडित कमलकिशोर नागर ने व्यक्त किए। वे समीपस्थ ग्राम पिंजराया में गोहिल परिवार द्वारा आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे है।

पंडित नागर ने बड़े ही सरल उदाहरण देते हुए कहा कि घड़ी की दुकान पर घड़ी तो सुधारी जा सकती है, लेकिन समय नहीं। यदि जीवन का समय सुधारना है, तो हरि के द्वार जाना होगा। उन्होंने कहा कि माँ, महात्मा और परमात्मा–इन तीनों ने हमें बहुत कुछ दिया है, लेकिन हम इनकी ही बात नहीं मानते। जब बिना नाम लिए एक पापड़ तक नहीं मिलता, तो बिना नाम लिए परमात्मा कैसे मिल सकता है? उन्होंने धार जिले के श्रद्धालुओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहाँ की श्रद्धा बहुत धारदार है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

कथा के दौरान उन्होंने समाज की विसंगतियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक अनपढ़ मजदूर अभिवादन में राम-राम कहता है, लेकिन जिले का पढ़ा-लिखा मुखिया राम बोलने में संकोच करता है। उन्होंने मंगलसूत्र का उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे अलग-अलग रंग के मोतियों की शोभा एक ही पेंडल से होती है, वैसे ही आप किसी भी पंथ के अनुयायी हों, अंत में सबके राम ही हैं। नागर जी ने कहा, यदि पुलिस द्वारा रोकी गई गाड़ी किसी बड़े व्यक्ति का नाम लेने से छूट सकती है, तो परमात्मा का नाम लेने से आपकी जीवन रूपी गाड़ी भवसागर से क्यों नहीं छूटेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अंबेडकर जयंती पर अनुयायियों संग किया सहभोज, दिया समरसता का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भारत रत्न डॉ. बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जन्मस्थली स्मारक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए अनुयायियों के साथ सहभोज कर सामाजिक समरसता का प्रेरक संदेश दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर देशभर से पधारे श्रद्धालुओं के साथ पंक्तिबद्ध बैठकर भोजन ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहब अंबेडकर का जीवन हमें समानता, भाईचारे और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंबेडकर जयंती केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज में समरसता और एकता को सुदृढ़ करने का अवसर है। इस प्रकार का सहभोज समाज में भेदभाव मिटाने और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम है। हमें बाबा साहब अम्बेड़कर के सामाजिक समरसता के संदेश को जीवन में आत्मसात करना चाहिए।

नाहरगढ़ थाना : प्याज के नीचे छिपाकर 104 किलो डोडाचूरा तस्करी करते पकड़ा, 4 आरोपी गिरफ्तार, 2 फरार

सभी 5 दिन रिमाण्ड पर, 3 फर्जी नंबर प्लेटें बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में चल रहे नशा मुक्ति अभियान के बीच नाहरगढ़ थाना निरीक्षक वरुण तिवारी एवं उनकी पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। तस्कर बोलेरो पिकअप में ऊपर प्याज का स्टॉक रखकर नीचे ट्रॉली बैगों में डोडाचूरा छिपाकर ले जा रहे थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 01 क्विंटल 4 किलो अवैध डोडाचूरा जब्त कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें कोर्ट ने पांच दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए है। जबकि सप्लायर एवं मुख्य सरगना की तलाश जारी है।

नाहरगढ़ थाना प्रभारी वरुण तिवारी ने बताया कि नाहरगढ़ पर पदस्थ कार्यवाहक सहायक उपनिरीक्षक दशरथ माली को मुखबिर से सूचना मिली कि बिना नंबर की सफेद बोलेरो वाहन में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरकर बिल्लोद-नाहरगढ़ मार्ग से राजस्थान की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और त्वरित कार्रवाई के निर्देश प्राप्त होने पर टीम गठित की गई। सूचना के आधार पर बिल्लोद-नाहरगढ़ रोड स्थित पुलिया के पास नाकाबंदी की गई। नाकाबंदी के दौरान करीब 20 मिनट बाद बिल्लोद की ओर से एक बिना नंबर की संदिग्ध बोलेरो आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने सतर्कता दिखाते हुए वाहन को घेराबंदी कर रोक लिया। वाहन में चार व्यक्ति सवार थे, जिन्हें भागने का मौका दिए बिना काबू में लिया गया। वाहन के कांच काली फिल्म से ढके हुए थे और नंबर प्लेट पर कोई नंबर अंकित नहीं था, जिससे संदेह और गहरा हो गया। पुलिस ने विधिवत वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन के ऊपर प्याज भरा हुआ मिला। जब प्याज हटाया गया तो नीचे चार ट्रॉली बैग और एक कैनवास बैग बरामद हुए।

सभी बैग खोलकर देखने पर उनमें तीव्र कसैली गंध वाला पदार्थ मिला, जो डोडाचूरा के रूप में पहचाना। जिसका तोलने पर वजन 1 क्विंटल 4 किलो पाया गया। इसके अलावा वाहन से तीन फर्जी नंबर प्लेटें भी बरामद की गईं, जिनका उपयोग पुलिस को गुमराह करने के लिए किया जा रहा था। मौके से गिरफ्तार आरोपियों में किशोर पिता दौलतराम भाट निवासी काल्याखेड़ी थाना नारायणगढ़ जिला मंदसौर, सोनू पिता रामलाल सेन निवासी ढाणी सादुलशहर जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) ताराचंद पिता पृथ्वीराज मेघवाल निवासी बांडा अनुपगढ़ जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) हरिकिशन पिता सुगनाराम नायक निवासी खोखारवाली अनुपगढ़ जिला श्रीगंगानगर (राजस्थान) शामिल हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि यह डोडाचूरा काल्याखेड़ी निवासी श्रवणसिंह द्वारा उपलब्ध कराया गया था, जिसे जयपुर-झुंझुनू पहुंचाकर मुख्य सरगना को सौंपना था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी पुलिस से बचने के लिए हर बार रूट बदलते थे और अब तक 7 बार सफलतापूर्वक तस्करी कर चुके थे, लेकिन 8 वीं खेप में पुलिस के हत्थे चढ़ गए।

तस्करों द्वारा इस खेप को करीब 3-3 लाख रुपए में खरीदा गया था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 42 एवं 50 के तहत सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया। स्वतंत्र साक्षियों की मौजूदगी में तलाशी, जब्ती, सीलिंग एवं पंचनामा तैयार किया । साथ ही आरोपियों की जामा तलाशी लेकर उनके पास से मोबाइल फोन, नगदी राशि एवं दस्तावेज जब्त किए गए। आरोपियों के विरुद्ध थाना नाहरगढ़ में धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। जब्त डोडाचूरा की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपए एवं बोलेरो वाहन की कीमत लगभग 8 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस अब फरार आरोपियों, सप्लायर और मुख्य सरगना की तलाश में जुटी है। टीआई तिवारी का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अंतरराज्यीय तस्करी नेटवर्क की और भी कड़ियां सामने आने की संभावना है। टीआई ने बताया कि आरोपियों को मंगलवार को एनडीपीएस एक्ट कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें पांच दिन पुलिस रिमाण्ड पर सौंपने के आदेश दिए है। आरोपियों को डोडाचूरा देने वाले व इसे लेने वाले की तलाश जारी है। इस कार्य में थाना प्रभारी नाहरगढ निरीक्षक वरुण तिवारी, सउनि दशरथ माली, प्रआर दिलावर सिंह, प्रआर जीवन राठोर, प्रआर महिपाल सिंह, आरक्षक लाखन सिंह, दिनेश सुरावत, चालक लियाकत मेव का सराहनीय योगदान रहा।

जीरन में बड़ा हादसा टला : आत्महत्या करने टंकी पर चढ़े युवक को डायल-112 टीम ने समझाइश देकर बचाया

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के थाना जीरन क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक युवक द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने का मामला सामने आया, जिसे डायल-112 पुलिस टीम की तत्परता से टाल दिया गया। जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 9 बजे राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली कि जीरन क्षेत्र में एक युवक पानी की टंकी पर चढ़कर आत्महत्या का प्रयास कर रहा है। सूचना मिलते ही डायल-112 वाहन को तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुंचे डायल-112 स्टाफ आरक्षक ब्रह्मानंद भाटी एवं पायलट मनीष राठौर ने स्थिति को संभालते हुए युवक से बातचीत की और उसे समझाइश देकर सुरक्षित नीचे उतार लिया। इसके बाद युवक को काउन्सलिंग के लिए थाने लाया गया, जहां उसने बताया कि उसने दवाइयों का ओवरडोज ले रखा है। स्थिति को गंभीर देखते हुए पुलिस ने तत्काल युवक को परिजनों के साथ जीरन अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका उपचार जारी है और वह अब स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रहा है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई और सूझबूझ से एक बड़ी घटना टल गई।

IPL सट्टे का नीमच में भंडाफोड़ !

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईपीएल के दौरान सट्टे पर सख्ती बरतते हुए नीमच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल के निर्देश पर जिलेभर में सट्टा और जुआं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 13 अप्रैल 2026 को मुखबिर सूचना के आधार पर नीमच कैंट थाना पुलिस ने सतगुरु बेकरी के पीछे ग्राउंड में दबिश देकर तीन आरोपियों को ऑनलाइन सट्टा करते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी मोबाइल के जरिए "Lotus" आईडी वेबसाइट के माध्यम से आईपीएल क्रिकेट पर सट्टा लगा रहे थे।

गिरफ्तार आरोपी- मनीष पिता सज्जनसिंह गुर्जर, उम्र 24 वर्ष, निवासी हवाई पट्टी रोड, नीमच, हिमांशु पिता अशोक सुंगधी, उम्र 27 वर्ष, निवासी जवाहर नगर, नीमच, यश पिता विष्णु सांवरिया, उम्र 21 वर्ष, निवासी अमर कॉलोनी, बघाना (नीमच) पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे अपने अन्य फरार साथियों के साथ मिलकर लोगों को ऑनलाइन आईडी देकर विभिन्न खेलों में पैसा लगवाते थे और अधिक मुनाफे का लालच देकर अवैध कमाई कर रहे थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 3 मोबाइल फोन, 1,01,000 नगद और लाखों रुपये के सट्टे का हिसाब-किताब जब्त किया है। मामले में अपराध दर्ज कर लिया गया है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सौरभ शर्मा, साइबर सेल प्रभारी प्रदीप शिंदे सहित नीमच कैंट थाना पुलिस और विशेष टीम की सराहनीय भूमिका रही।

धार्मिक नगरी : शहर में अनेकों जगह अवैध शराब और नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री पर कांग्रेस मुखर, सौंपा ज्ञापन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में बढ़ते नशे के अवैध कारोबार, चाकूबाजी की घटनाओं और बढ़ती आपराधिक गतिविधियों को लेकर मंगलवार को एक ज्ञापन कांग्रेसजनों ने शहर कांग्रेस कमेंटी, मंदसौर के नेतृत्व में एक ज्ञापन रैली के रूप में पहुंचकर जिला पुलिस कंट्रोल रूम पर सीएसपी जितेन्द्र कुमार भास्कर एवं शहर कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह राठौर को सौंपा।

शहर कांग्रेस कमेटी मंदसौर की अध्यक्ष सुश्री इष्टा भाचावत ने ज्ञापन में बताया कि शहर की कानून व्यवस्था और चिंताजनक रूप से बढ़ रही नशीले पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़ी हिंसक आपराधिक गतिविधियों की ओर आकर्षित करना चाहते है। पिछले कुछ समय से मंदसौर शहर की फिजा आसामाजिक तत्वों के कारण बिगड़ी, हुई है और उसका खामियाजा मंदसौर नगर की सीधी-साधी जनता को उठाना पड़ रहा है। वर्तमान में अपराधियों के हौसले लगाकर बुलंद हो रहे जिनको ना तो कानून का कोई भय है और ना ही पुलिस प्रशासन का डर है। ज्ञापन में बताया गया कि नशे का अवैध व्यापार मंदसौर शहर को पावन नगरी घोषित किया गया है परंतु शहर के विभिन्न क्षेत्रों, गली-मोहल्लों और सुनसान इलाकों में शराब और नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री हो रही है। जिससे युवा पीढ़ी तेजी से नशे की चपेट में आ रही है और अपना जीवन बर्बाद कर रही है। चाकूबाजी की बढ़ती घटनाएं से मंदसौर शहर की शांत फिजा को बिगाढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। शहर में छोटी-मोटी बातों पर चाकूबाजी और हिंसक झड़पों की घटनाएं आम हो गई है। सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लेकर घूमने वाले अपराधियों के मन से कानून का खौफ खत्म होता दिख रहा है। जिन पर नियंत्रण करना बहुत आवश्यक हो गया है। ज्ञापन में मांग कि गई कि शहर के शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस पेट्रोलिंग की जायें। नशे के सौदागरों और चाकूबाजी जैसी वारदातों में संलिप्त अपराधियो के विरूद्ध सख्त दंडात्मक कार्यवाही की जाए। प्रमुख चौराहों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाए। अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर धरपकड़ की जाए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर, विमल जैन, प्रकाश रातडिया, इष्टा भाचावत, रमेश ब्रिजवानी, अजय सोनी अभिनन्दन, दशरथ सिंह, अकरम खान, मंजीत सिंह टुटेजा, सुनील गुप्ता, जगदीश जटिया, शिवरमण सिंह पंवार, सुरेश भाटी, दिनेश नाई , विश्वनाथ सोनी, सादिक गोरी, अभिषेक पाटीदार, कमलेश सोनी लाला, योगेंद्र गोड, प्रीतम पंचोली, अजय मरू, वाकर खान, अनीस मंसूरी, सुनील बसेर, डॉ चंद्रेशेखर, रफत पयामी, राखी सत्रावाला, सुनीता बंडी, सुनीता माली, मीना चौहान, कुमकुम, वर्षा सांखला, रूपल संचेती, महेश गुप्ता, दीपक दलोर, प्रभात रतेराती, मो आसिफ, भेरूलाल कुमावत, हनीफ शेख, कांतिलाल राठौर, शायर सकलेन करार, हेमन्त कच्छावा, शैलेन्द्र मरोठिया, ओमप्रकाश मालवीय, प्रणय धाकड़, शैलेश माली, आमीन खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

नीमच में भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर कांग्रेस का गरिमामय आयोजन, गांधी भवन में गूंजे बाबा साहेब के विचार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत के महान विधिवेत्ता, समाज सुधारक एवं संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर जिलेभर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में नीमच स्थित गांधी भवन में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने उनके जीवन, संघर्ष और राष्ट निर्माण में दिए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब का योगदान केवल आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने समाज में सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक परिवर्तन की मजबूत नींव रखी। उन्होंने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को उनके अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया और समानता व न्याय की स्थापना के लिए निरंतर प्रयास किए। इस दौरान यह भी कहा गया कि वर्तमान समय में बाबा साहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक समतामूलक और प्रगतिशील समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में कांग्रेस जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल चौरसिया, ब्लॉक अध्यक्ष ओम दीवान सहित मोनू लोक्स, बृजेश मित्तल, बृजेश सक्सेना, गजेंद्र यादव, बाबू सलीम, हारून रशीद, महेश वीरवाल और बेबी मेहरा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के संकल्प के साथ किया गया।

सादगी की मिसाल बना 24वां भव्य मेव इज्तिमाई निकाह सम्मेलन, सामूहिक रूप से 60 जोड़े ने किया निकाह कबूल

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक एकता को मजबूत करने और फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से रविवार को सोनगरी स्थित दरगाह हजरत गैब शाह वली के मुकाम पर 24वां भव्य मेव इज्तिमाई शादी सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। मेव सोशल वेलफेयर सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में जिले सहित नीमच, जावरा और दिल्ली तक से आए सर्व मुस्लिम समाज के 60 जोड़ों ने एक साथ 'निकाह कुबूल है' कहकर अपने नए जीवन की शुरुआत की। इस सामूहिक आयोजन ने न केवल अमीर और गरीब के बीच की दूरियों को खत्म करने का संदेश दिया, बल्कि समाज के सामने सादगीपूर्ण विवाह का एक बेहतरीन उदाहरण भी पेश किया।

मेव वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष असगर खां मेव इस निकाह समारोह में नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए शिक्षा के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि शादियों में दिखावे और अनावश्यक खर्चों से बचना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। उन्होंने समाज से अपील की कि जो धन शादियों की फिजूलखर्ची में व्यर्थ होता है, उसे बच्चों की उच्च शिक्षा और उनके सुरक्षित भविष्य पर निवेश किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निकाह को जितना सरल और सादगीपूर्ण रखा जाएगा, समाज पर आर्थिक बोझ उतना ही कम होगा और आपसी भाईचारा मजबूत होगा। सोसायटी अध्यक्ष असगर खां मेव ने कहा कि अगले साल 11 अप्रैल 2027 को सिल्वर जुबली मेव इज्तिमाई शादी सम्मेलन का आयोजन विशाल एवं भव्य रूप से किया जाएगा। जिसकी तैयारियां के लिये सभी समाजजनों से उन्होंने अपील की है। सम्मेलन कमेटी के अध्यक्ष पूर्व सरपंच तौफीक खां जैपुरा ने बताया कि इस पूरे निकाह की प्रक्रिया को किफायती शुल्क में संपन्न कराया गया है। इस सम्मेलन की खास बात यह रही कि इसमें आतिशबाजी, ढोल-तमाशे और भव्य जुलूस जैसी दिखावे वाली गतिविधियों से पूरी तरह दूरी बनाई गई, जिससे समाज में एक सकारात्मक और अनुशासित संदेश गया। जनवरी माह से जारी तैयारियों और पंजीयन प्रक्रिया के बाद, रविवार को करीब 15 हजार लोगों की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया। इस पुनीत कार्य में राजनीतिक और सामाजिक हस्तियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, मंदसौर विधायक विपिन जैन, पूर्व विधायक दिलीप सिंह गुर्जर, शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत, नगरपालिका सिंगोली के पूर्व अध्यक्ष असरफ उर्फ गुड्डू भाई, इदू भाई, सईद भाई इंदौर, असलम भाई तराना, शोकत दादा देवास, फिरोज भाई रतलाम, मोबिन भाई जावरा, शरीफ भाई मल्हारगढ़, वहीद भाई उज्जैन, असलम खां सदर, कल्लू खां, सलीम खां सोनगरी, इमरान भाई मीनाक्षी, सईद खां खेड़ेवाले, राजा खा, उस्मान सेठ, हमीद खां सदर, हाजी शब्बीर खां, साजीद भाई रायल ढाबा, हाजी साबिर भाई पानवाले, भूरू भाई आइफा, गुड्डू मास्टर, हाजी वहीद खान, बबलूभाई मंत्री, फिरोज खान ऑटो डिल मल्हारगढ़, इरफान फीट एण्ड फीट, गफ्फार भाई पहलवान, अमजद भाई बुलगढ़ी, इस्माइल मास्टर, मकबूल हवलदार, असलम खां दावतखेड़ी, अयुब भाई लकड़ीवाले, जाकीर भाई सोनगरी, जाफर भाई सोनगरी, अशफाक खां पूर्व पार्षद, युनुस भाई बालोत, सरवर खां, फिरोज भाई, युसुफ भाई सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहकर दुल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया। सभी ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सम्मेलन जरूरतमंद परिवारों के लिए एक बड़ा सहारा बनते हैं। आयोजन स्थल पर मेहमानों और जोड़ों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिससे हजारों की भीड़ के बावजूद पूरा कार्यक्रम बेहद व्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उक्त आयोजन को सफल बनाने में सभी जनप्रतिनिधियों, मेहमान, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, सभी समाजजनों का वेलफेयर सोसायटी के सेकेटरी सईद खां खेड़ेवाले ने शुक्रिया अदा किया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान में नीमच जिले में सरोवरों का कार्य पूर्ण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान तहत प्रगतिरत अमृत सरोवर के कार्यों को पूर्ण कराया जा रहा है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव द्वारा प्रति दिन जिले में प्रगतिरत 18 अमृत सरोवर के कार्यों की समीक्षा की जा रही है। इन 18 कार्यों में से 17 कार्य मनरेगा अंतर्गत प्रचलित है। कलेक्टर श्री चंद्रा के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के प्रारंभ तिथि से आज तक 4 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इन सभी तालाबों की न्यूनतम जल भराव क्षमता 12000 - 12000 घन मीटर से अधिक है। इन कार्यों से जैव विविधता, पशु-पक्षी, मवेशियों के लिए जल उपलब्धता के साथ-साथ प्रारंभिक वर्षों में भूजल रिचार्ज का उद्देश्य भी सफल होगा।

नीमच में संत श्री सेन जी महाराज की 726वीं जयंती पर भव्य महोत्सव

वाहन रैली से लेकर भजन संध्या तक छाया उत्साह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सेन समाज संगठन द्वारा आराध्य संत संत श्री सेन जी महाराज की 726वीं जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई। दो दिवसीय इस महोत्सव में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

महोत्सव की शुरुआत पहले दिन विभिन्न प्रतियोगिताओं के साथ हुई। क्रिकेट प्रतियोगिता के साथ बच्चों और महिलाओं के लिए कई रोचक गतिविधियां आयोजित की गई, जिनमें समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे दिन उत्सव का माहौल बना रहा और प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

दूसरे दिन सुबह श्री नारायणी माता मंदिर से भव्य वाहन रैली निकाली गई। डीजे और ढोल-नगाड़ों की धुन पर निकली यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई स्कीम क्रमांक 36 स्थित सेन वाटिका पहुंची। रास्तेभर जगह-जगह समाजजनों ने रैली का स्वागत किया और माहौल भक्तिमय बना रहा।

इसके बाद महाप्रसादी सहभोज का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण की। दोपहर में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर समाज के प्रतिभाशाली व्यक्तियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

समापन अवसर पर शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालु भक्ति रस में डूबे नजर आए और संत श्री सेन जी महाराज के भजनों से वातावरण गूंज उठा।

महोत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रेश सेन और प्रवक्ता सतीश सेन ने बताया कि सेन समाज हर वर्ष अपने आराध्य संत की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाता है। इस प्रकार के आयोजन समाज की एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

नीमच रामगंज रेल लाइन एक दशक पूर्व स्वीकृत सर्वे को धरातल पर उतार कर मिशन विकसित भारत 47 योजना को सफल बनाने का आग्रह

भोपाल –रामगंज रेल लाइन पूर्ण होने जा रही है अब उस रेल मार्ग को नीमच से जोड़ने की मांग उठी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के रेल यात्रियों के लिए 2026 की डेडलाइन खुशियों की नई पटरी लेकर आ रही है। भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन परियोजना अब अपने अंतिम पड़ाव पर है, जो जल्द ही एमपी के दुर्गम और पहाड़ी इलाकों की सुस्त रफ्तार जिंदगी को सुपरफास्ट ट्रैक पर ले आएगी। हाल ही में खिलचीपुर से राजगढ़ सिटी के बीच 130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हुआ सफल स्पीड ट्रायल इस बात का पुख्ता सबूत है कि राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच की दूरियां अब सिमटने वाली हैं।

कुल 276 किलोमीटर लंबी इस महात्वाकांक्षी परियोजना का 187 किलोमीटर का हिस्सा बनकर तैयार है, जबकि बाकी 89 किलोमीटर का काम मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस नई लाइन के बिछते ही राजगढ़ और सीहोर जिले के कई दूरदराज इलाके जैसे पिपलहेड़ा, सोनकच्छ, नरसिंहगढ़, कुरावर और श्यामपुर पहली बार देश के रेल मैप पर चमकेंगे। अब तक जो सफर सिर्फ धूल भरी सड़कों के भरोसे था, वह अब आरामदायक कोच और सुगम ट्रैक के जरिए तय होगा।

इस प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा धमाका भोपाल और कोटा के बीच की दूरी में होगा, जो सीधे 100 किलोमीटर कम हो जाएगी। इससे यात्रियों के कीमती 2 से 3 घंटे तो बचेंगे ही, साथ ही व्यापार, शिक्षा और रोजगार के नए द्वार भी खुलेंगे। रेलवे ने यात्रियों की जेब का ख्याल रखते हुए संभावित किराए का खाका भी तैयार कर लिया है, जिसके तहत मुगलिया हाट के लिए महज 100-120 रुपये और ब्यावरा के लिए 320-360 रुपये तक का स्लीपर किराया प्रस्तावित है। यह सिर्फ एक रेल लाइन नहीं, बल्कि एमपी के पिछड़े इलाकों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाली एक लाइफलाइन साबित होने वाली है।

डाक्टर सम्पत स्वरूप जाजू ने जानकारी देते हुए सुझाव दिया है कि यह नीमच जिले का दुर्भाग्य है कि यूपीए शासन में नीमच- रामगंज मंडी मनासा होते हुए रेल लाइन सर्वे स्वीकृत हुआ था लेकिन उसको ना तो मनासा के नेताओंने और ना ही उसके बाद केंद्र सरकार के ध्यान में वर्तमान सांसद ने लाने का प्रयास किया!

अभी भी समय है विकसित भारत सन् 47को ध्यान में रखते हुए इस लाइन का सर्वे कर रामगंज से जोड़ा जाय और साथ में नीमच गरोठ जो फोरलाइन रोड की घोषणा मुख्यमंत्री श्री मोहन यादवजी ने की है और उसका कार्य चल रहा है उसमे चंबल पर जो पुल बनाया जायेगा उसमे रेल लाइन के लिए भी प्रावधान किया जाय

उपरोक्त रेल लाइन से भोपाल दक्षिण भारत से कनेक्टिविटी बढ़ेगी साथ में राजस्थान के एक बहुत बड़ा भाग उदाहरण अजमेर उदयपुर जोधपुर इत्यादि के लिए दक्षिण भारत की दूरी कम होगी।

बाबा साहेब ने अपना जीवन, पढ़ाई, ज्ञान प्राप्ति, समानता, भाईचारे और मानवता के लिए समर्पित किया है- श्री सखलेचा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत रत्न बाबा साहब डॉ.भीमराव अम्बेडकर ने अपना सम्पूर्ण जीवन, पढ़ाई, ज्ञान प्राप्ति, समानता, भाईचारे और मानवता के लिए समर्पित किया है। डॉ.अम्बेडकर का प्रकाशवान जीवन दर्शाता है, कि वे विद्वान और कर्मशील व्यक्तित्व के धनी थे। डॉ.अम्बेडकर के विचार और कार्य हमारे समाज में आर्थिक एवं सामाजिक समस्याओं का समाधान करने में हमारा मार्गदर्शन कर सकते है। उक्त विचार पूर्व मंत्री एवं जावद क्षेत्र के विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर जयंती पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जिला स्तरीय डॉ.अम्बेडकर जयंती समारोह सह हितलाभ वितरण सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इस मौके पर नीमच विधायक श्री दिलीप सिह परिहार, श्री वंदना खण्डेलवाल, कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव भी विशेष रूप से मंचासीन थे।

विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा, कि नीमच में डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित है। सिंगोली में भी उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है और रतनगढ में भी डॉ.अम्बेडकर की प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। उन्होने कहा, कि प्रदेश सरकार प्रति व्यक्ति आय बढ़ाने का हर संभव प्रयास कर रही है।

विधायक श्री दिलीप सिह परिहार ने अपने उदबोधन में कहा कि डॉ.भीमराम अम्बेकर ने अर्थशास्त्र राजनीति, कानून दर्शन, समाजशास्त्र का अच्छा ज्ञान प्राप्त किया। म.प्र.की धरती महू से निकल कर उन्होने विदेशो में पढ़ाई की और अपना जीवन समाज की भलाई के कार्य में लगाया। डॉ.अम्बेडकर द्वारा रचित संविधान से ही हमे मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य मिले है।

विधायक श्री परिहार ने कहा, कि नीमच में 5 करोड़ की लागत से नवीन छात्रावास मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा स्वीकृत किया गया है। उन्होने कहा, कि अ.जा.वर्ग के विद्यार्थियों, युवाओं के लिए सरकार ने अनेको योजनाए संचालित की है। सबका साथ, सबका विश्वास, सबका प्रयास और सबका विकास के मूलमंत्र के आधार पर सरकार सभी वर्गो के कल्याण के लिए कार्य कर रही है।

इस अवसर पर विधायक श्री सखलेचा, श्री परिहार एवं अतिथियों ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर स्वरोजगार योजना, श्री बिरसामुण्डा स्वरोजगार योजना, डॉ.भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत 8 हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित कर लाभांवित किया। समारोह में सांदिपनी विद्यालय नीमच के छात्र-छात्राओं ने डॉ.भीमराव अम्बेडकर के बाल जीवन पर आधारित नृत्य, नाटिका, प्रस्तुत की, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा। महाविद्यालयीन छात्रावास नीमच की छात्राओं ने भी प्रसतुति दी।

सम्पादकीय

वैश्विक महायुद्ध संदर्भ भारत,देश में पेट्रोलियम और एलपीजी संकट का भविष्य

अमेरिका इजरायल और ईरान युद्ध की शांति वार्ता विफल होने के पश्चात युद्ध के बदलते परिदृश्य में शांति और युद्ध के बीच की रेखा लगातार सिमटती जा रही है। विशेषकर अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ताएँ जितनी आशा जगाती हैं, उतना ही भय भी उत्पन्न करती हैं पहली शांति वार्ता असफल हो चुकी है,एक बार फिर वैश्विक तनाव महायुद्ध की दिशा में बढ़ सकता है। ऐसे में भारत जैसे अन्य और विकासशील देशों के लिए संकट केवल कूटनीतिक या सामरिक नहीं होगा, बल्कि इसका सबसे बड़ा प्रभाव आर्थिक ढांचे और आम जनजीवन पर भी पड़ने की संभावना है विशेषकर पेट्रोलियम और एलपीजी जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर यह वैश्विक महायुद्ध बहुत भारी पड़ सकता है।

भारत आज विश्व की सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देशों में अग्रणी है। इतनी विशाल आबादी वाले विकराल देश के लिए ऊर्जा की निरंतर आपूर्ति एक बड़ी चुनौती और समस्या हो सकती है। भारत अपनी पेट्रोलियम आवश्यकताओं का लगभग 80-85 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें पश्चिम एशिया, विशेषकर ईरान और कतर जैसे पड़ोसी देश की महत्वपूर्ण भूमिका रहती हैं। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर से युद्ध का रूप लेता है, तो सबसे पहले तेल आपूर्ति श्रृंखला बाधित होगी। खाड़ी क्षेत्र में किसी भी प्रकार का सैन्य संघर्ष तेल के उत्पादन और परिवहन दोनों को प्रभावित करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं।

ऐसी स्थिति में भारत पर दोहरा दबाव पड़ेगा। एक ओर आयात महंगा होगा, जिससे सरकार का राजकोषीय संतुलन बिगड़ेगा, वहीं दूसरी ओर पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से महंगाई की लहर पूरे देश को अपनी चपेट में ले सकती है। परिवहन महंगा होगा, खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ेंगी, और मध्यम व निम्न वर्ग का जीवन और कठिन हो जाएगा। एलपीजी की स्थिति भी इससे अछूती नहीं रहेगी। आज भारत में करोड़ों परिवार खाना पकाने के लिए एलपीजी पर निर्भर हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी पहल ने ग्रामीण और गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर तक पहुंच तो दी है, लेकिन यदि अंतरराष्ट्रीय संकट के कारण एलपीजी की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है, तो यह योजना भी अपने उद्देश्य से भटक सकती है।

गरीब परिवार पुनः लकड़ी और कोयले जैसे पारंपरिक ईंधनों की ओर लौटने को मजबूर हो सकते हैं, जिससे न केवल पर्यावरणीय नुकसान होगा, बल्कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

इस वैश्विक संकट का एक और महत्वपूर्ण पहलू बेरोजगारी से जुड़ा है। जब पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होते हैं, तो उद्योगों की लागत बढ़ती है। उत्पादन घटता है, निवेश कम होता है और अंततः रोजगार के अवसर सिकुड़ जाते हैं। भारत पहले से ही बेरोजगारी की चुनौती से जूझ रहा है, ऐसे में यदि ऊर्जा संकट गहराता है, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। छोटे और मध्यम उद्योग, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, सबसे पहले प्रभावित होंगे।

इसके अतिरिक्त, भारत की मुद्रा पर भी दबाव बढ़ेगा। डॉलर के मुकाबले रुपया।के कमजोर होने की आशंका बलवती हो जाएगी , जिससे आयात और महंगा हो जाएगा। विदेशी निवेशकों का विश्वास भी डगमगा सकता है, जिससे पूंजी का पलायन संभव है। यह समग्र आर्थिक अस्थिरता देश को एक गंभीर वित्तीय संकट की ओर धकेल सकती है।

ऐसे चुनौतीपूर्ण समय में भारत के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह होगा कि वह इस संकट का सामना कैसे करे। केवल वैश्विक घटनाओं पर निर्भर रहना अब पर्याप्त नहीं है।

भारत को अपनी ऊर्जा नीति में आत्मनिर्भरता की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर, पवन और जैव ऊर्जा को बढ़ावा देना समय की मांग है। इसके साथ ही रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को मजबूत करना और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों की तलाश भी आवश्यक है।

साथ ही, सरकार को जनसंख्या नियंत्रण, रोजगार सृजन और आर्थिक सुधारों पर भी गंभीरता से काम करना होगा। क्योंकि जब तक देश की आंतरिक संरचना मजबूत नहीं होगी, तब तक बाहरी संकटों का प्रभाव और अधिक घातक होता रहेगा।

अंततः यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि यदि अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध की स्थिति पुनः उत्पन्न होती है, तो भारत के लिए यह केवल एक अंतरराष्ट्रीय घटना नहीं होगी, बल्कि यह एक घरेलू संकट का रूप ले लेगी। पेट्रोलियम और एलपीजी की समस्या केवल ऊर्जा का प्रश्न नहीं रहेगा, बल्कि यह आम आदमी की रसोई, उसके रोजगार और उसके जीवन स्तर को सीधे प्रभावित करेगा।

आज आवश्यकता है दूरदर्शिता की, संतुलित कूटनीति की और ठोस नीतिगत निर्णयों की। क्योंकि आने वाला समय केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय संकटों की भी परीक्षा लेने वाला हो सकता है। यदि भारत ने अभी से तैयारी नहीं की, तो यह संभावित संकट वास्तव में एक विकराल रूप ले सकता है जिसका खामियाजा आने वाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा।

आत्मसाक्षात्कार क्या है? और इसे कैसे अनुभव किया जा सकता है?

आत्मसाक्षात्कार अपने को देखने, अपनी आत्मा को समझने और अपने चारों ओर फैली ईश्वरीय ऊर्जा को आत्मसात करने की प्रक्रिया है। सहजयोग एक ऐसा ध्यान योग है जो आत्मसाक्षात्कार को समझने व आत्मसात करने का सर्वाधिक सहज और सरल मार्ग है। सहज योग प्रणेता परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रतिपादित यह एक अनूठी ध्यान पद्धति है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुंडल में सुप्तावस्था में स्थित कुंडलिनी ऊर्जा जागृत होकर सिर के सबसे ऊपर तालु भाग में सहस्त्रार चक्र तक पहुँचती है। यह मन की स्थिरता, आंतरिक शांति और परमात्मा से जुड़ाव का प्रत्यक्ष अनुभव है, जिसे हाथों और सिर पर ठंडी हवा (चैतन्य) के रूप में महसूस किया जा सकता है। अपने अंदर स्थित ईश्वर की अनुभूति के लिए हममें शुद्ध इच्छा और आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति जरुरी है। यह एक जीवंत, प्रायोगिक और निशुल्क प्रक्रिया है, जिससे व्यक्ति निर्विचार समाधि और आत्म-शांति का अनुभव करता है।

आत्मसाक्षात्कार को अनुभव करना आसान है लेकिन इसके लिए हमें सहज योग के साप्ताहिक केंद्र तक पहुंचना होगा, जहाँ निशुल्क सहज योग ध्यान की विधि सिखाई जाती है। धरती पर हाथ रखकर, आकाश की ओर हाथ करते हुये व अपने हृदय, माथे और सिर के तालु भाग में हाथ रखकर की जाने वाली प्रार्थनायें तत्काल स्वीकृत होती हैं और साधक ठंडे चैतन्य का अनुभव करने लगता है। सहज योग ध्यान केंद्र में साप्ताहिक ध्यान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि हर रोज घर पर दैनिक ध्यान। सहज योगी श्री माताजी के प्रवचनों को सुनकर अपने ज्ञान में वृद्धि करता है। सामूहिक ध्यान के दौरान? हमारे चैतन्य एक दूसरे को भी ऊर्जावान करते हैं और यह हमारे सूक्ष्म तंत्र और कुंडलिनी शक्ति को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाने में भी सहायक होते हैं। अत~ सामुहिकता सहज योग की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

श्रम की थकी हथेलियों से उठता प्रतिरोधः औद्योगिक भारत का नया अध्याय

औद्योगिक शहर की चमक-दमक के पीछे दबा असंतोष 13 अप्रैल 2026 को अचानक उभर आया, जब नोएडा के कारखाना क्षेत्रों से उठते धुएँ ने भीतर सुलग रही नाराज़गी को साफ तौर पर सामने ला दिया। फेज-2 और सेक्टर-62 की सड़कों पर उतरे मजदूरों का आक्रोश यह बता रहा था कि अब उनकी पीड़ा अब शिकायत भर नहीं, बल्कि प्रतिरोध का रूप ले चुकी है। पत्थरों की गूंज, जलती गाड़ियों की लपटें और पुलिस की सख्ती के बीच एक ही सवाल बार-बार उठता रहा–कब तक मजदूर अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करता रहेगा? यह विस्फोट दरअसल किसी एक क्षण की उपज नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही आर्थिक उपेक्षा और नीतिगत अनदेखी का परिणाम है।

आक्रोश की जड़ में वेतन असमानता की वही चिंगारी थी, जिसने हालात को भड़काने में अहम भूमिका निभाई। हरियाणा में 35 प्रतिशत वेतन वृद्धि के फैसले ने वहाँ के मजदूरों को राहत दी, लेकिन नोएडा के श्रमिकों के लिए यही तुलना एक गहरे असंतोष में बदल गई। समान कार्य करने वालों के बीच इतना बड़ा वेतन अंतर न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि यह उनकी गरिमा पर भी सीधा आघात करता है। जब एक राज्य में मजदूर सम्मान के साथ जीवन यापन कर सकता है और दूसरे में वही मजदूर बुनियादी जरूरतों के लिए जूझता है, तो यह केवल आर्थिक फर्क नहीं, बल्कि सामाजिक असंतुलन की स्पष्ट तस्वीर भी पेश करता है।

जीवनयापन की बढ़ती लागत ने मजदूरों की हालत को और अधिक संकटपूर्ण बना दिया है। महंगाई के लगातार बढ़ते असर ने रसोई से लेकर किराए तक हर खर्च को लगभग दोगुना कर दिया है। ऐसे में कई साधारण मजदूरों के लिए 12,000 से 15,000 रुपये मासिक वेतन में पूरे परिवार का गुजारा करना आज लगभग नामुमकिन हो गया है। जब रोजमर्रा की बुनियादी जरूरतें ही पूरी नहीं हो पातीं, तो भविष्य के बारे में सोचना भी कठिन हो जाता है। यही बढ़ता दबाव धीरे-धीरे असंतोष को जन्म देता है, जो आखिरकार सड़कों पर आक्रोश के रूप में सामने आता है।

श्रमिकों पर बढ़ता शोषण इस संकट को और भी तीखा बना देता है। ओवरटाइम का वाजिब भुगतान न मिलना, साप्ताहिक अवकाश से वंचित रहना, स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और ठेकेदारी व्यवस्था का दबाव–ये सब मिलकर मजदूरों को ऐसे दायरे में कैद कर देते हैं, जहां से बाहर निकलना बेहद कठिन हो जाता है। यही मेहनतकश हाथ देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि सबसे कम सुरक्षा और सम्मान भी इन्हीं के हिस्से आता है। जब श्रम का उचित मूल्य नहीं मिलता, तो असंतोष का फूट पड़ना स्वाभाविक ही है।

मजदूरों की आवाज़ केवल वेतन वृद्धि तक सीमित नहीं रही, बल्कि उनके अधिकारों और सम्मान से जुड़ी रही। उन्होंने न्यूनतम वेतन 18,000ङ्क20,000 रुपये करने, 12 घंटे की शिफ्ट की जगह 8 घंटे का कार्य समय लागू करने, समय पर बोनस और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार की मांग की। कई कारखानों में वेतन पर्ची न देना, मनमानी कटौती और असुरक्षित कार्य परिस्थितियाँ सामने आती रहीं। कई मजदूरों ने महिलाओं के साथ उत्पीड़न और सुरक्षा की कमी की शिकायतें भी उठाईं, साथ ही अलग शिकायत समिति और सुरक्षित कार्य वातावरण की मांग की। स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में छोटी बीमारियाँ भी गंभीर समस्या बन जाती हैं। यही लंबे समय से दबी हुई माँगें आखिरकार सड़क पर उबल पड़ीं।

उग्र हिंसा इस असंतोष की चरम अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन यह किसी भी समस्या का समाधान नहीं बन सकती। नोएडा में हुई आगजनी और तोड़फोड़ ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब संवाद के रास्ते बंद हो जाते हैं, तो हालात तेजी से नियंत्रण से बाहर हो जाते हैं। इस हिंसा ने न केवल सरकारी और निजी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को भी प्रभावित किया और उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ऐसे में जरूरी है कि विरोध की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा दी जाए और संवाद को प्राथमिकता दी जाए।

घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी प्रतिक्रिया अभी भी अपनी सीमाओं में बंधी हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा घोषित उपाय–जैसे साप्ताहिक अवकाश, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान और स्वास्थ्य सुविधाएं–सकारात्मक जरूर हैं, पर वे समस्या की जड़ को नहीं छूते। न्यूनतम वेतन में वृद्धि की अनदेखी यह दर्शाती है कि सरकार अब भी मूल कारणों तक पहुंचने में पीछे है। जब तक मजदूरों की आय और उनके बढ़ते खर्चों के बीच संतुलन स्थापित नहीं होगा, तब तक ये प्रयास केवल अस्थायी राहत तक ही सीमित रहेंगे, स्थायी समाधान नहीं बन पाएंगे।

तेजी से बदलते हालात यह संकेत दे रहे हैं कि समस्या अब स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। देशभर के कई औद्योगिक क्षेत्रों (विशेषकर गुरुग्राम-मानेसर, सूरत, अलवर आदि) में मजदूर असंतोष बढ़ रहा है।

यह स्थिति दर्शाती है कि देशभर में श्रम नीतियों की कमियां अब खुलकर सामने आ रही हैं। राज्यों के बीच वेतन असमानता और कमजोर कानून व्यवस्था ने इस संकट को और गहरा बना दिया है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो यह असंतोष आगे चलकर गंभीर सामाजिक और आर्थिक संकट में बदल सकता है।

वक्त की मांग है कि अब समाधान की दिशा में ठोस और दूरगामी कदम उठाए जाएं। राष्ट्रीय स्तर पर न्यूनतम वेतन में एकरूपता, महंगाई से जुड़ी स्वचालित वेतन वृद्धि व्यवस्था, ठेकेदारी प्रथा में सुधार और श्रमिकों के लिए सशक्त सुरक्षा तंत्र का निर्माण अत्यंत आवश्यक हो गया है।

साथ ही, सरकार, उद्योग और मजदूरों के बीच प्रभावी संवाद की व्यवस्था विकसित करना भी अनिवार्य है। नोएडा की घटना एक चेतावनी के रूप में सामने आई है–यदि इसे नजरअंदाज किया गया, तो यह चिंगारी बड़े औद्योगिक संकट में बदल सकती है। मजदूरों की आवाज को समझना और उनके अधिकारों को सुनिश्चित करना ही सच्चे और संतुलित विकास का आधार है।

-प्रो. आरके जैन

बंगाल को चाहिए आर्थिक नवजागरण

स्वतंत्रता सेनानी गोपाल कृष्ण गोखले ने कहा था, भारत जो कल सोचता है उसे बंगाल आज सोच लेता है। उनकी यह उक्ति स्वतंत्रता के समय के पश्चिम बंगाल के लिए सटीक थी। बंगाल सांस्कृतिक और सामाजिक नवजागरण के साथ-साथ देश के औद्योगिक और आर्थिक विकास का भी केंद्र था और कलकत्ता(अब कोलकाता) उसकी मुकुटमणि था। स्वतंत्रता के समय उद्योग और व्यापार का सबसे बड़ा केंद्र कलकत्ता ही था, जिसकी जीडीपी शंघाई के बराबर थी और औसत आय उससे भी अधिक। देश की एक चौथाई वस्तुओं का उत्पादन अकेले बंगाल में होता था और देश की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान बंगाल का ही था, लेकिन स्वतंत्रता के बाद और खासकर साठ के दशक के बाद बंगाल और कलकत्ता की किस्मत ने ऐसी पलटी खाई कि आज इस राज्य में तीन प्रतिशत से भी कम वस्तुएं बनती हैं और जीडीपी में उसका योगदान घटकर केवल 5.6 प्रतिशत रह गया है। प्रति व्यक्ति आय में भी वह पहले स्थान से फिसलकर 21वें पायदान पर चला गया है। राज्यों के मानव विकास सूचकांक में भी वह 22वें से 25वें पायदान पर है। ओडिशा भी उससे आगे निकल चुका है। इस पतन का असली कारण बंगाल की राजनीति, आर्थिक विषमता और कानून व्यवस्था में छिपा है, जिसे राज्य सरकारों ने लगातार नजरअंदाज किया है। बढ़ती आर्थिक विषमता के कारण साठ के दशक से ही नक्सलबाड़ी के हिंसक आंदोलन का दौर शुरू हो गया, जिस पर अंकुश लगाने में राज्य और केंद्र सरकारें, दोनों विफल रहीं। इससे कानून व्यवस्था भंग हुई और राज्य अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले छोटे और मझोले कारोबारों ने परेशान होकर बड़ी संख्या में पलायन शुरू किया। सत्तर का दशक आते-आते मजदूर संगठनों के सिंडिकेट बनने शुरू हुए, जिन्होंने बड़े उद्योगों को हड़तालों और घेराव से परेशान करना शुरू किया। उनके डर से नए पूंजी निवेशकों का आना तो दूर, पहले से जमे बड़े उद्योग घरानों ने भी कोलकाता से अपने कारोबार समेटने शुरू कर दिए। टाटा और बिड़ला के कारोबारी मुख्यालय मुंबई चले गए और एंबेसडर कार बनाने वाली हिंदुस्तान मोटर्स से लेकर डनलप टायर तक हुगली के किनारे लगे कारखाने एक-एक करके बंद होते गए। सत्तर का दशक दुनिया भर में मजदूर आंदोलनों का दशक था। भारत में कोलकाता ही नहीं, अहमदाबाद और मुंबई के कारखानों के मजदूर भी हड़ताल, घेराव और आंदोलन कर रहे थे। इसी दौर में बंगाल की जनता ने वाम मोर्चे को भारी जनादेश दिया और ज्योति बसु मुख्यमंत्री बने। वे 23 साल मुख्यमंत्री रहे। उनकी और उनके बाद 11 साल तक मुख्यमंत्री रहे बुद्धदेव भट्टाचार्य की सरकारों की प्राथमिकता निजी पूंजी निवेश को बढ़ावा देकर उद्योग और रोजगार पैदा करने और उससे बढ़े राजस्व को सामाजिक न्याय के कार्यों में लगाने के बजाय सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की रही। यह वही दौर था, जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी माओ की सरकारी नियंत्रण और पुनर्वितरण की नीतियों से हुई बर्बादी से सबक सीखकर विदेशी पूंजी निवेश से औद्योगीकरण की तरफ बढ़ रही थी।

-धनंजय राजौरा

नारी-आरक्षणः नये भारत का आधार एवं संभावनाओं का शिखर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर भारत की राजनीति और समाज में जो नई चेतना उभरकर सामने आई है, वह केवल एक विधायी परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक रूपांतरण एवं नये भारत-निर्माण की संभावनाओं की प्रस्तावना है। निश्चिततौर पर भारत अब अपने विकास की धुरी में महिलाओं की सक्रिय और निर्णायक भागीदारी को अनिवार्य मानने लगा है। दशकों से लंबित महिला आरक्षण का मुद्दा केवल संसद के गलियारों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह भारतीय समाज की उस अंतर्धारा से जुड़ा रहा है, जिसमें बराबरी, सम्मान और अवसर की मांग निरंतर उठती रही है। लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत स्थान आरक्षित करने वाले नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह सही कहा कि यह इस सदी के महत्वपूर्ण कदमों में से एक है। पहले यह अधिनियम नई जनगणना के बाद लागू होना था, पर उसमें देरी के चलते सरकार ने इसे 2011 की जनगणना के आधार पर लागू करने का निर्णय किया। इस पर विपक्षी दलों ने आपत्ति जताई है, पर इस आपत्ति को महत्व देने से अगले लोकसभा चुनाव में महिला आरक्षण लागू करना संभव नहीं होगा, क्योंकि ताजा जनगणना के आंकड़ों के आधार पर बनने वाले परिसीमन आयोग की रिपोर्ट आने में समय लगता और तब तक 2029 के आम चुनाव हो जाते। इसी कारण इस अधिनियम में संशोधन करने हेतु संसद का एक विशेष सत्र बुलाया गया है। चूंकि यह सत्र विधानसभा चुनावों के बीच बुलाया जा रहा है, इसलिए भी कई विपक्षी दलों को यह कांटों की तरह चुभन दे रहा है।

भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की भागीदारी का इतिहास विरोधाभासों से भरा रहा है। एक ओर देश ने इंदिरा गांधी जैसी सशक्त महिला नेतृत्व को देखा, वहीं दूसरी ओर संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या लंबे समय तक सीमित बनी रही। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो यह बताती है कि राजनीतिक प्रतिनिधित्व के स्तर पर अभी भी एक बड़ा अंतर विद्यमान है। इस संदर्भ में महिला आरक्षण अधिनियम उस अंतर को पाटने का एक संगठित और संरचनात्मक प्रयास है। महत्वपूर्ण यह भी है कि इस अधिनियम को लागू करने के संदर्भ में जनगणना और परिसीमन को लेकर जो विवाद सामने आया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जटिलताओं को भी उजागर करता है। सरकार द्वारा 2011 की जनगणना के आधार पर इसे लागू करने का निर्णय एक व्यावहारिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्योंकि नई जनगणना और उसके बाद परिसीमन की प्रक्रिया में होने वाली देरी महिला आरक्षण को वर्षों तक टाल सकती थी। विपक्ष की आशंकाएं अपनी जगह पर हैं, परंतु अभी तक उनके समर्थन में ठोस तथ्य सामने नहीं आए हैं।

भारतीय राजनीति में किसी भी बड़े निर्णय को राजनीतिक दृष्टिकोण से देखने की परंपरा रही है और महिला आरक्षण भी इससे अछूता नहीं है। विपक्ष द्वारा यह आरोप लगाना कि सरकार इस पहल के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र में लिए जाने वाले अधिकांश निर्णयों के पीछे राजनीतिक गणित काम करता है। प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि निर्णय के पीछे राजनीतिक लाभ है या नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि उसका प्रभाव समाज पर कितना सकारात्मक पड़ता है। यदि महिला आरक्षण से महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है और नीति निर्माण में उनका दृष्टिकोण शामिल होता है, तो यह संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय राजनीति में महिलाओं की भूमिका में एक उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिला है। महिलाएं अब केवल मतदाता नहीं रहीं, बल्कि वे एक निर्णायक मतदाता वर्ग के रूप में उभरी हैं। 2019 के आम चुनावों में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों के लगभग बराबर रही और कई राज्यों में उन्होंने पुरुषों से अधिक मतदान किया। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं, बल्कि चेतना का संकेत है। महिलाएं अब अपने अधिकारों और हितों के प्रति अधिक सजग हो रही हैं और राजनीतिक निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं।

सरकारी योजनाओं ने भी इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से रसोई गैस की उपलब्धता, जनधन योजना के तहत बैंकिंग सुविधा, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण और मातृत्व लाभ योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में प्रत्यक्ष सुधार किया है। इन योजनाओं का प्रभाव केवल आर्थिक या भौतिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी रहा है, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे सार्वजनिक जीवन में अधिक सक्रिय हुई हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों को इस संदर्भ में विशेष रूप से स्मरण किया जाना चाहिए। उन्होंने भारतीय संविधान के माध्यम से समानता और न्याय के सिद्धांतों को स्थापित करते हुए महिलाओं को समान अधिकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उनका यह विश्वास था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जा सकता है। आज जब महिला आरक्षण की बात हो रही है, तो यह उसी विचारधारा का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें महिलाओं को केवल संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण का अवसर प्रदान किया जाता है।

हालांकि यह भी समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण अपने आप में कोई अंतिम समाधान नहीं है। यह एक आवश्यक कदम है, परंतु पर्याप्त नहीं। राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ने से महिलाओं की आवाज अवश्य मजबूत होगी, परंतु सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर समानता स्थापित करने के लिए और भी प्रयास करने होंगे। आज भी भारत में महिला श्रम भागीदारी दर लगभग 25 प्रतिशत के आसपास है, जो वैश्विक औसत से काफी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति हुई है, परंतु उच्च शिक्षा और तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी को और बढ़ाने की आवश्यकता है। महिला आरक्षण के क्रियान्वयन के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। यह आशंका व्यक्त की जाती रही है कि कई स्थानों पर महिलाएं केवल नाममात्र की प्रतिनिधि बनकर रह जाएंगी और वास्तविक निर्णय उनके पुरुष परिजन लेंगे। पंचायत स्तर पर इस तरह के उदाहरण देखने को मिले हैं, परंतु समय के साथ महिलाओं ने इस स्थिति को बदला भी है और अपने अधिकारों को स्वयं संभालने की क्षमता विकसित की है। इसी प्रकार राजनीतिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है, ताकि महिलाएं केवल प्रतिनिधि न होकर प्रभावी नीति निर्माता बन सकें। इसके साथ ही राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना में भी परिवर्तन आवश्यक है। यदि दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को पर्याप्त स्थान नहीं देंगे, तो केवल आरक्षण के माध्यम से वास्तविक सशक्तिकरण संभव नहीं होगा। दलों को चाहिए कि वे महिलाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान करें, उन्हें चुनाव लड़ने के लिए प्रोत्साहित करें और उनके लिए अनुकूल वातावरण तैयार करें।

नया भारत जिस विकसित राष्ट्र की कल्पना कर रहा है, उसमें नारी शक्ति की भूमिका केंद्रीय है। आज भारतीय महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा, प्रशासन और उद्यमिता-हर क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां यह प्रमाणित करती हैं कि अवसर मिलने पर वे किसी भी चुनौती का सामना कर सकती हैं। इसरो की महिला वैज्ञानिकों की सफलता, ओलंपिक में पदक जीतने वाली खिलाड़ियों का प्रदर्शन, और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण के उदाहरण इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं।

इस अधिनियम के माध्यम से यह संदेश दिया गया है कि विकास का कोई भी मॉडल तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें आधी आबादी की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो। हालांकि इसके क्रियान्वयन में राजनीतिक मतभेद और व्यावहारिक चुनौतियां सामने आती रहेंगी, परंतु इसकी मूल भावना पर प्रश्नचिह्न नहीं लगाया जा सकता। आवश्यकता इस बात की है कि इसे एक राजनीतिक मुद्दे के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि सरकार, विपक्ष और समाज मिलकर इस दिशा में कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए एक नई दिशा निर्धारित कर सकता है। यही वह मार्ग है, जिस पर चलते हुए भारत एक सशक्त, समावेशी और विकसित राष्ट्र के रूप में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत कर सकता है।

-ललित गर्ग

हम पहुँच वाले लोग हैं, हमारा दुख भी वीआईपी है

मकान का मुहूर्त हो या दुकान का उद्घाटन, शादी-ब्याह की खुशियाँ हों या किसी अपने की मृत्यु का गम–हर जगह बड़े नेताओं और अफसरों की तस्वीरें चिपकाना अब सम्मान नहीं, बल्कि प्रभाव और पहुँच का प्रदर्शन बन चुका है। यह एक ऐसी मानसिकता को जन्म देता है, जहाँ इंसान की असली पहचान उसके कर्म से नहीं, बल्कि उसके कनेक्शन से तय होने लगती है। कभी घरों की दीवारों पर देवी-देवताओं की तस्वीरें होती थीं, जिनमें आस्था बसती थी, फिर उन दीवारों पर परिवार की तस्वीरें आईं जिनमें अपनापन था, लेकिन आज वही दीवारें नेताओं और अफसरों के साथ खिंचवाई गई तस्वीरों से भर गई हैं, जिनमें न आस्था है, न अपनापन–सिर्फ एक संदेश है~ हम पहुँच वाले लोग हैं। यह पहुँच अब सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक हैसियत का प्रमाणपत्र बन चुकी है।

यह दृश्य केवल दीवारों तक सीमित नहीं है, यह हमारे मानस में गहराई तक उतर चुका है। आज व्यक्ति खुद को अपने नाम से कम और अपने संपर्कों से ज्यादा पहचानता है। वह अपने परिचय में अपने गुणों, अपने काम या अपने व्यक्तित्व का उल्लेख कम करता है, लेकिन यह बताने में गर्व महसूस करता है कि वह किस नेता के करीब है या किस अधिकारी से उसकी पहचान है। यह प्रवृत्ति एक खतरनाक मोड़ पर पहुँच चुकी है, जहाँ आत्मसम्मान की जगह परोक्ष अहंकार ने ले ली है–ऐसा अहंकार जो खुद का नहीं, बल्कि दूसरों की ऊँचाई पर खड़े होकर पैदा होता है।

सबसे अधिक पीड़ादायक स्थिति तब बनती है जब यह दिखावा हमारे सबसे निजी और संवेदनशील क्षणों में भी प्रवेश कर जाता है। शोक, जो कभी सादगी, मौन और गहन संवेदना का समय हुआ करता था, आज बैनरों और पोस्टरों के नीचे दबने लगा है। किसी अपने की मृत्यु पर भी बड़े-बड़े होर्डिंग लगाकर नेताओं के साथ तस्वीरें चिपकाना मानो यह कहने का एक तरीका बन गया है कि हमारा दुख भी वी आई पी है। यह वाक्य जितना व्यंग्यात्मक है, उतना ही भयावह भी, क्योंकि यह हमारे भीतर मरती संवेदनाओं का प्रमाण है। क्या दुख की भी कोई श्रेणी होती है? क्या आँसू भी अब पहचान देखकर बहाए जाते हैं? क्या किसी की मृत्यु अब भी शोक का विषय है या फिर वह भी एक सामाजिक प्रदर्शन बन चुकी है?

यह स्थिति केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक गहरी मानसिक असुरक्षा का परिणाम है। हम अपने भीतर कहीं न कहीं यह महसूस करने लगे हैं कि अगर हमने अपनी पहुँच नहीं दिखाई, तो समाज हमें गंभीरता से नहीं लेगा। हम यह मान बैठे हैं कि सम्मान पाने के लिए योग्य होना जरूरी नहीं, बल्कि जुड़ा हुआ होना जरूरी है। यह मानसिकता हमें आत्मनिर्भरता से दूर और निर्भरता की ओर ले जाती है। हम अपनी पहचान खुद गढ़ने के बजाय उसे उधार लेने लगते हैं–कभी किसी नेता से, कभी किसी अधिकारी से, और कभी किसी प्रभावशाली चेहरे से।

सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और गहरा बना दिया है। अब दीवारों पर लगी तस्वीरें केवल घर तक सीमित नहीं रहतीं, वे फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप के जरिए सैकड़ों-हजारों लोगों तक पहुँचती हैं। अब हर खुशी एक पोस्ट है और हर दुख एक स्टेटस। लाइक्स और कमेंट्स की दुनिया में अब भावनाएँ भी कंटेंट बन चुकी हैं। लोग खुश होने से ज्यादा खुश दिखने में व्यस्त हैं, और दुखी होने से ज्यादा दुख दिखाने में। यह दिखावा धीरे-धीरे हमारी सच्ची भावनाओं को निगल रहा है। जब हर भावना प्रदर्शन बन जाती है, तो उसकी गहराई खत्म हो जाती है। खुशी एक आयोजन बन जाती है और दुख एक औपचारिकता।

यह दिखावा समाज में एक अदृश्य प्रतिस्पर्धा को भी जन्म दे रहा है। एक व्यक्ति अगर किसी बड़े नेता के साथ फोटो लगाता है, तो दूसरा उससे भी बड़ा नाम ढूँढने की कोशिश करता है। यह एक ऐसी दौड़ बन जाती है, जिसका कोई अंत नहीं है। इस दौड़ में इंसानियत, सादगी और आत्मसम्मान धीरे-धीरे पीछे छूट जाते हैं। व्यक्ति यह भूल जाता है कि वह कौन है, और यह साबित करने में लग जाता है कि वह किसके साथ है। यह पहचान का संकट है–जहाँ मैं खो जाता है और मेरे संपर्क हावी हो जाते हैं। लोकतंत्र के दृष्टिकोण से भी यह प्रवृत्ति बेहद चिंताजनक है। जब समाज में व्यक्ति की पहचान उसके संपर्कों से तय होने लगती है, तो समानता और न्याय जैसे मूल सिद्धांत कमजोर पड़ने लगते हैं। लोग यह मानने लगते हैं कि जिनके पास पहुँच है, वे नियमों से ऊपर हैं, और जिनके पास नहीं है, वे केवल दर्शक हैं। यह सोच न केवल भ्रष्टाचार को बढ़ावा देती है, बल्कि समाज में असमानता को भी गहरा करती है। धीरे-धीरे यह विश्वास खत्म होने लगता है कि मेहनत और ईमानदारी से भी सम्मान पाया जा सकता है।

इसका सबसे गहरा प्रभाव हमारी नई पीढ़ी पर पड़ रहा है। बच्चे और युवा यह देखकर बड़े हो रहे हैं कि समाज में सम्मान पाने के लिए काबिलियत से ज्यादा जरूरी है कनेक्शन होना। वे यह सीख रहे हैं कि सफलता का रास्ता परिश्रम से नहीं, बल्कि संपर्कों से होकर गुजरता है। यह सोच उन्हें गलत दिशा में ले जाती है, जहाँ वे मेहनत की बजाय शॉर्टकट खोजने लगते हैं। यह केवल व्यक्तिगत हानि नहीं, बल्कि समाज के भविष्य के लिए भी एक गंभीर खतरा है। हमें यह समझना होगा कि हर चीज को दिखाने की जरूरत नहीं होती।

कुछ भावनाएँ निजी होती हैं, और उनकी गरिमा सादगी में ही बनी रहती है। शोक का समय प्रदर्शन का नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संवेदना का होता है। खुशी का अवसर भी दिखावे का नहीं, बल्कि अपनापन बाँटने का होता है। यह जरूरी नहीं कि हम अपने हर रिश्ते, हर उपलब्धि और हर संपर्क को दुनिया के सामने साबित करें। असली सम्मान और प्रतिष्ठा हमारे व्यवहार, हमारे कर्म और हमारे मूल्यों से बनती है–न कि किसी फोटो या पोस्ट से। समाज में बदलाव की शुरुआत हमेशा व्यक्ति से होती है। अगर हम सच में इस दिखावे की संस्कृति से बाहर निकलना चाहते हैं, तो हमें खुद से शुरुआत करनी होगी। अपने जीवन के महत्वपूर्ण क्षणों में सादगी को अपनाना होगा, दिखावे से दूरी बनानी होगी, और अपनी भावनाओं को सच्चाई के साथ जीना होगा।

-डॉ. सत्यवान सौरभ

जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के सहयोग से निगम कार्यालय में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

150 से अधिक कर्मचारियों ने कराई जांच

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के सी.एस.आर. पहल के अंतर्गत मंगलवार को एच.सी.जी कैंसर हॉस्पिटल इंदौर की विशेषज्ञ टीम द्वारा नगर निगम देवास के मुख्य कार्यालय में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में हुई जांच- शिविर में एच.सी.जी कैंसर हॉस्पिटल की अनुभवी डॉक्टरों एवं पैरामेडिकल टीम ने निगम अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर, बी.एम.आई., वजन, हिमोग्लोबिन सहित सामान्य जांच निशुल्क की गई।

विशेषज्ञ डॉक्टरों ने कैंसर के प्रारंभिक लक्षण, बचाव के उपाय एवं समय पर जांच के महत्व की जानकारी दी। साथ ही जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचने के लिए संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम की सलाह दी गई।

150 से अधिक ने उठाया लाभ- स्वास्थ्य शिविर में 150 से अधिक निगमकर्मियों एवं नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया। जना स्मॉल फाइनेंस बैंक के अधिकारियों ने बताया कि बैंक सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत आगे भी इस तरह के शिविर आयोजित करता रहेगा। 15 अप्रैल मंगलवार को भी निगम में पुनः शिविर आयोजित होगा।

नगर निगम प्रशासन ने जना स्मॉल फाइनेंस बैंक एवं एच.सी.जी कैंसर हॉस्पिटल इंदौर की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर के दौरान कार्यालय अधीक्षक रंजीत सिंह पंजाबी, सी.एस.ई.डी. अशोक दुबे, निगम आयुक्त निज सचिव भोला सिंह जादौन सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमलतास मेडिकल कॉलेज में 70 वर्षीय ओमप्रकाश का देहदान संकल्प पूरा; भावी डॉक्टरों को मिला अमूल्य योगदान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानवता की मिसाल पेश करते हुए, श्री ओमप्रकाश मारोठिया (उम्र 70 वर्ष) का देहदान करने का प्रेरणादायक संकल्प सोमवार, 8 अप्रेल , 2026 को अमलतास मेडिकल कॉलेज, देवास में संपन्न हुआ।

यह पुनीत कार्य सेवाधाम आश्रम, ग्राम अम्बोदिया, जिला उज्जैन के संस्थापक और प्रेरणा स्त्रोत श्री सुधीर भाई गोयल जी के प्रयासों से पूरा हुआ। उन्होंने स्व. ओमप्रकाश जी की अंतिम इच्छा का सम्मान करते हुए उनकी पार्थिव देह को कॉलेज के एनाटॉमी विभाग में दान किया।

इस कड़ी में देवास पुलिस विभाग द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। मेडीकल कॉलेज के डीन डॉ. ए.के. पीठवा ने सम्मान स्वरूप आभार व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की । एवं इस अवसर पर कहा कि चिकित्सा शिक्षा के लिए मानव शरीर की संरचना का ज्ञान आवश्यक है, और शरीर दान भावी चिकित्सकों के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। यह अमूल्य सहयोग विद्यार्थियों के व्यावहारिक अध्ययन और चिकित्सा विज्ञान के ज्ञानार्जन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।देहदान अधिकारी श्री गजानंद चौहान जी ने इस प्रक्रिया की जानकारी दी। अमलतास मेडिकल कॉलेज के चेयरमैन मयंकराज सिंह भदौरिया ने इस प्रेरक पहल के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। डीन डॉ. ए.के. पीठवा, एनाटॉमी विभाग हेड डॉ. करखायले एम.एल., और अमलतास समूह ने संस्था सेवाधाम आश्रम के प्रति कृतज्ञता जाहिर की।

सीजन का सबसे गर्म दिन रहा मंगलवार, रात का भी पहुंचा 20 पार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अप्रैल माह आधा बीतने के बाद अब गर्मी का एहसास होने लगा है। दिन के साथ-साथ रात में भी गर्मी से लोगों के पसीने छूटने लगे हैं। सोमवार के बाद मंगलवार को भी तापमान में उछाल दर्ज किया गया और इस दिन तापमान 40 डिग्री से अधिक पहुंच गया। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में इससे भी अधिक तापमान पहुंचने की संभावना जताई है। वैसे हर वर्ष मार्च माह में ही गर्मी की शुरूआत हो जाती है और अप्रेल आते-आते लोगों का गर्मी से बुरा हाल होने लगता है, लेकिन इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ के चलते नगर में कभी बारिश तो कभी ठंडी हवाओं ने अपना डेरा बना लिया था। जिसके कारण गर्मी का एहसास न के बराबर हो रहा था। पश्चिमी विक्षोभ का दौर थमते ही अब गर्मी का असर शुरू हो चुका है, जिसके कारण तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। एक दिन पहले तापमान 39.3 डिग्री था जो मंगलवार को बढ़कर 40 से अधिक पहुंच गया। जिसके कारण मंगलवार का दिन इस सीजन का सबसे गर्म दिनर रहा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि अब तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी होगी।

अंबेडकर जयंती पर शहर कांग्रेस अजा विभाग द्वारा आइसक्रीम वितरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर देवास शहर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग द्वारा आइसक्रीम वितरण कर हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय उज्जैन चौराहा पर पंडाल लगाकर किया गया, जिसमें विभाग के अध्यक्ष धीरज कल्याने के नेतृत्व में आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रयास गौतम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने जय भीम के नारों के साथ बाबा साहब की जयंती मनाई। इस दौरान बड़ी संख्या में राहगीरों और नागरिकों को आइसक्रीम वितरित की गई, जिससे वातावरण में उत्साह और उल्लास देखने को मिला। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व महापौर रेखा वर्मा, प्रदीप चौधरी, गुरचरण सिंह सलूजा, रोशन रायकवार, जाहिद पठान, सुजीत सांगते, सुधीर शर्मा, प्रो. बी.एस. मालवीय, मदनलाल जेठवा, हरीश गजधर, महेंद्र घारू, नजर शेख, नरेंद्र यादव, महेंद्र ठाकुर, सेशन कल्याने, मुन्ना सरकार, अविनाश जेठवा, विजय कटेसरिया, दिलीप सोलंकी, गोवर्धन देसाई, राजेश गोंदिया, जय राम मालवीय, साधना प्रजापति, वंदना बड़ोदिया, रोहित राय चौहान, अमितेश पांडे, धर्मेंद्र पटेल, राहुल चौहान, बाबूलाल भाट, अजय सिंह राजोदा, वीरेंद्र परदेसी, जहीर शेख, कल्लू भाई, आरिफ मेव, रईस कामदार, अंकित खरे, गजेंद्र तोमर, प्रथम पवार, रियाज नागोरी, चिराग सोलंकी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों ने बाबा साहब के विचारों को अपनाने और समाज में समानता व भाईचारे का संदेश देने का संकल्प लिया।

महापौर ने आयुक्त के साथ स्पोर्ट्स पार्क का किया औचक निरीक्षण, दिए सुधार के निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल ने विधायक व महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल तथा आयुक्त दलीप कुमार के साथ इंदौर रोड स्थित तुकोजी राव पवार स्पोर्ट्स पार्क का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण में मिली कमियां- निरीक्षण के दौरान स्पोर्ट्स पार्क में खिलाड़ियों के बैठने की कुर्सी एवं शेड टूटे हुए पाए गए। पार्क के कुछ हिस्सों में घास सूखी मिली तथा कुछ बिजली के पोल की लाइट भी बंद पाई गई।

महापौर के निर्देश- महापौर श्रीमती गीता अग्रवाल ने पाई गई कमियों को शीघ्र दुरुस्त कराने के निर्देश सहायक यंत्री मुशाहिद हांफी एवं सौरभ त्रिपाठी को दिए। वहीं सहायक यंत्री जगदीश वर्मा को पार्क में प्रॉपर लाइट, नई कुर्सी सेट, खिलाड़ियों के लिए टेनिस एवं क्रिकेट प्रैक्टिस नेट लगवाने तथा रंग बिरंगे झंडे लगाने के निर्देश दिए।

महापौर ने पार्क में नए सी.सी.टी.वी कैमरे लगवाने तथा बंद पड़े कैमरों को तत्काल सुधरवाने के भी निर्देश दिए।

आयुक्त ने दिए मेंटेनेंस के निर्देश- आयुक्त दलीप कुमार ने निरीक्षण के दौरान गार्डन संचालक को पार्क की सभी कमियों को प्रॉपर तरीके से मेंटेन करने तथा सूखी घास में नियमित पानी दिए जाने के निर्देश दिए।

महापौर ने संबंधित अधिकारियों को सभी सुधार कार्य एक माह के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

30 नवयुगलों ने लिए सात फेरे, गुजराती सेन समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

विधायक भीमावद ने दिया आशीर्वाद, अतिथियों को बांटे रूद्राक्ष

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुजराती सेन समाज का 10वां सामूहिक विवाह सम्मेलन मंगलवार को संपन्न हुआ। द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां 30 नवयुगलों ने अपने एक-दूसरे का हाथ थामकर नवजीवन की शुरूआत की। सम्मेलन में पहुंचे विधायक अरूण भीमावद ने भी सभी जोड़ों को सुखी जीवन का आशीर्वाद दिया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के लोगों पर विवाह का आर्थिक बोझ कम करना था। वहीं सम्मेलन में आए मेहमानों का 10 हजार रुद्राक्ष भी वितरित किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन, समाजसेवी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। शाजापुर भाजपा विधायक अरुण भीमावद भी कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विधायक ने समाज के लिए धर्मशाला निर्माण में सहयोग की घोषणा की। सम्मेलन में समाज की ओर से नवविवाहित जोड़ों को उपयोगी घरेलू सामग्री उपहार स्वरूप भेंट की गई। इसके अलावा 10 हजार रुद्राक्ष भी वितरित किए गए।

कंचन वेल्फेयर सोसाईटी ने भी दिए उपहार- सेन जन्मोत्सव पर कंचन वेलफेयर एंड एजुकेशनल सोसाइटी द्वारा सांपखेड़ा में आयोजित 31वें आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन में सहभागिता की गई। इस अवसर पर संस्था के संचालक एवं सामाजिक कार्यकर्ता नवीन वर्मा द्वारा नवविवाहित 30 जोड़ों को 5 लीटर का एक-एक कुकर भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। कार्यक्रम के दौरान गुजराती सेन समाज सामूहिक विवाह समिति अध्यक्ष प्रेम नारायण वर्मा एवं नवयुवक मंडल समिति अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, राजा राम वर्मा, राधेश्याम वर्मा, चंद्रप्रकाश भाटिया, दीपक वर्मा, ताराचंद वर्मा, नंदकिशोर वर्मा, स्मिता वर्मा, श्रद्धा वर्मा आदि उपस्थित थे।

सूबेदार मेजर ओंकार गवली 16 अप्रैल को देवास में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं सैनिकों के परिवारजनों से मुलाकात करेंगे

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सैनिक कल्याण संयोजक सुबेदार मेजर तुलसीराम जलोदिया ने बताया कि सूबेदार मेजर ओंकार गवली 16 अप्रैल को प्रातः 11.30 बजे से सर्किट हाउस देवास में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं सैनिकों के परिवारजनों की समस्या जानने व उनके निराकरण के लिए उनसे मुलाकात कर चर्चा करेंगे।

ट्रेन से गिरकर राजगढ़ निवासी की मौत, पटरी पर मिला शव

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के सुनेरा थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह करीब 9 बजे रेलवे पटरी के पास एक व्यक्ति का शव मिला। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। यह घटना ग्राम सुनेरा के पास रेलवे पोल नंबर 1271/5 और 1271/6 के बीच हुई। बताया जाता है कि ट्रेन से गिरने से यह हादसा हुआ है। सुनेरा थाना प्रभारी अंकित मुकाती पुलिस बल के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस जांच में मृतक की पहचान मुकेश पिता प्रभुलाल के रूप में हुई है। मुकेश राजगढ़ जिले के ग्राम सूरजखेड़ी का निवासी था। बताया जा रहा है कि मुकेश किसी ट्रेन से यात्रा कर रहा था, तभी वह गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मर्ग कायम का मामला जांच में लिया है।

ट्रेक्टर पर गिरी क्रेन, ट्रेक्टर से काम कर रहे चालक की मौत

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड।मोहन बड़ोदिया तहसील के ग्राम कुम्हारिया खास में मंगलवार दोपहर दर्दनाक हादसा हो गया। जब नर्मदा पाईप लाईन के काम में लगी एक क्रेन असंतुलित होकर ट्रेक्टर पर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से ट्रेक्टर चालक की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे राजगढ़ जिले के देहरी बामन पचोर निवासी 22 वर्षीय हरिओम पिता बनेसिंह धाकड़ कुम्हारिया खास में पाइपलाइन कार्य स्थल पर ट्रैक्टर चला रहा था। वहां क्रेन से भी पाईप भेजने का काम किया जा रहा था। उसी समय क्रेन असंतुलित होकर ट्रेक्टर पर गिर गई। क्रेन गिरने से चालक हरिओम उसकी चपेट में आ गया जिसने उसी समय दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मोहन बड़ोदिया थाना पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची। जिन्होंने जेसीबी बुलवाकर क्रेन को हटाया और शव को बाहर निकालकर उसे मोहन बड़ोदिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण क्रेन का संतुलन बिगड़ना बताया जा रहा है।

क्रेन से पहुंचाए जा रहे थे पाईप- ग्राम कुमारिया खास में पाइपलाइन स्थल बनाया गया है। जहां नर्मदा नदी की पाइपलाइन में उपयोग होने वाले पाइपों को आसपास के क्षेत्रों में पहुंचाया जाता है। मंगलवार को भी क्रेन के माध्यम से पाईप पहुंचाने का काम किया जा रहा था। ऐसे में क्रेन का संतुलन बिगड़ा और ट्रेक्टर चालक उसकी चपेट में आ गया।

डॉ. अंबेडकर की जयंती पर हुआ जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत रत्न, संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के उपलक्ष्य में मंगलवार को स्थानरीय गांधी हाल में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित एवं कन्या पूजन कर किया गया।

विधायक श्री भीमावद ने डॉ. अंबेडकर जी की जयंती की सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उन्होंने विश्व का सबसे बड़ा संविधान भारत का संविधान लिखा हैं, जिसमें उन्होंने शिक्षित बनों, संगठित रहों और संघर्ष करों का उल्लेख किया हैं, जिसको हम सभी को आत्मसात कर आगे बढ़ना होगा। उन्होंने संविधान में सौंपे गये कर्त्तव्यों का पालन करते हुए देश के प्रति अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करने एवं सभी को सामाजिक समरसता के साथ रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश सरकार द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों का भारत बनाने का कार्य किया जा रहा हैं। जिसके तहत महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने का काम किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 16 अप्रैल से देश की संसद में 3 दिवसीय विशेष सत्र में ÷नारी शक्ति वंदन÷ अधिनियम के पूर्ण क्रियान्वयन को लेकर ऐतिहासिक चर्चा आयोजित की जायेगी। कार्यक्रम को कलेक्टर ॠजु बाफना, जिला पेंशन अधिकारी जीएल गुवाटिया एवं सेवानिवृत्त शिक्षक कैलाश सूर्यवंशी ने भी संबोधित किया। इस दौरान विधायक श्री भीमावद द्वारा उपस्थित जनों को भारत का संविधान उद्देशिका का वाचन भी कराया गया। इसके बाद विधायक श्री भीमावद, कलेक्टर बाफना, यशपालसिंह राजपूत एवं उपस्थित अतिथियों ने ÷नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अंतर्गत नारी पद यात्रा को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद अतिथियों द्वारा नारी शक्ति सम्मान समारोह के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, नगर महामंत्री विकास सिंदल, जुगल नाहर, जिला पंचायत सदस्य प्रेम मालवीय, जिला पंचायत सीईओ अनुपमा चौहान, एसडीएम मनीषा वास्कले, डिप्टी कलेक्टर नेहा गंगारे, अंकिता पाटकर, जन अभियान परिषद जिला समन्वयक विष्णुप्रसाद नागर, महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम अधिकारी संजय त्रिपाठी, सुनील मालवीय, भैरूलाल सौराष्ट्रीय आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका रेखा पुरोहित व गौरव सोनी ने किया।

उकावता पेट्रोल पंप के पास मिला युवक का शव

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के ग्राम उकावता स्थित पेट्रोल पंप के पास सोमवार देर रात एक युवक घायल अवस्था में सड़क किनारे मिला। उसे तत्काल शाजापुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना डायल 112 पर मिलने के बाद पायलट सुरेश और आरक्षक बृजमोहन यादव मौके पर पहुंचे थे। मृतक की पहचान राजगढ़ जिले के ब्यावरा स्थित शाहिद कॉलोनी निवासी गौरव पिता गिरधारी शर्मा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गौरव अपने घर से गुजरात जाने के लिए निकला था। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों ने बताया कि युवक पैदल चलते हुए मोबाइल पर बात कर रहा था। कुछ देर बाद वह घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा मिला। पुलिस ने प्राथमिक तौर पर आशंका जताई है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से यह हादसा हुआ है। परिजनों के मुताबिक युवक को घर से बस में बैठाकर भेजा गया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कबीर फाउंडेशन ने बनाई बाबा साहेब की 135 वी जयंती, रक्तदान शिविर का किया आयोजन, मरीजों को बांटे फल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। यूथ ऑफ बलाई समाज कबीर फाउंडेशन द्वारा मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी 135वी जयंती मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. भीमराव अंबेडकर जिला चिकित्सालय ट्रामा सेंटर में मरीजों को फल वितरण एवं रक्तदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरूण भीमावदर ने कहा कि हम सबको मिलकर बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलते हुवे एक समरस समाज का निर्माण करना है और जाति बंधन मुक्त एकरूप समाज बनाना है। उन्होंने कबीर फाउंडेशन के कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि संगठन समरसता के क्षेत्र में बहुत ही अच्छा कार्य कर रहा है। इनके द्वारा समाज मे शिक्षा को लेकर व्यापक जनजागरण का कार्य किया जा रहा है जो प्रशंसनीय है। दिलीपसिंह बामनिया ने कहा कि समाज मे नशा एक बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। इससे हम सबको मिलकर निपटना है। आज हम सब नशा मुक्त समाज का संकल्प ले। इस अवसर पर अस्पताल में भर्ती मरीजों को समिति के द्वारा फल वितरण किया गया। इसके बाद जिला ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. एसडी जायसवाल के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा लेब टेक्निशियन देवेंद्र बैरागी के द्वारा रक्तदान करवाया गया। जिसमें संस्था के पदाधिकारी अनिल मालवीय, महेश परमार, रामबाबू मोबिया आदि ने रक्तदान किया।

ग्राम पंचायत सुंदराबाद में डॉ भीमराव अम्बेडकर का हुआ पुण्य स्मरण, ग्राम विकास पर चर्चा के साथ प्रतिभा सम्मान

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। ग्राम पंचायत सुंदराबाद में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती अवसर पर ग्राम सभा का आयोजन सरपंच श्रीमती ज्योति पंड्या की अध्यक्षता में किया गया। प्रारंभ में डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। कार्यक्रम की भूमिका रखते हुए सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग ने स्वागत भाषण दिया तथा ग्राम विकास की अवधारणा पर प्रकाश डाला। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान, जी राम जी, नारी शक्ति वंदन अधिनियम सहित ग्रीष्मकालीन मौसम में आने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। युवा कार्यकर्ता हर्षित पंड्या ने डॉ. अंबेडकर द्वारा राष्ट्र विकास में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच ज्योति पंड्या द्वारा इस वर्ष नवोदय परीक्षा में चयनित हुए ग्राम के दो होनहार विद्यार्थी तुषार विनोद परमार तथा अभिषेक बाबूलाल परमार का पुष्प माला पहनकर तिलक लगाकर प्रतीक चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया। आदर्श क्लब अध्यक्ष बंटी पंड्या, सोहनसिंह पंवार, राजू बहन, मनोज राठौर, बहादुरसिंह पडिहार आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। आभार ग्राम पंचायत सचिव धर्मेंद्र बैरागी ने माना।

अभिभाषक संघ द्वारा न्यायालय परिसर में मजिस्ट्रेट सोनम डेहरिया का भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अभिभाषक संघ बड़नगर द्वारा सोमवार सायंकाल स्थानीय न्यायालय परिसर में मजिस्ट्रेट श्रीमान सोनम डेहरिया के सम्मान में एक गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अभिभाषक संघ अध्यक्ष करण राठौड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

समारोह में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमान राम बिलास गुप्ता, ऋचा गोयल बंसल, गौरव चौरसिया एवं तहसीलदार रूपाली जैन मंचासीन रहे। इस अवसर पर उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने श्री डेहरिया के सौम्य स्वभाव, कार्यकुशलता एवं न्यायप्रियता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं द्वारा भी उद्बोधन प्रस्तुत किए गए, जिनमें करण सिंह पंड्या, नरेंद्र शर्मा, राकेश श्रीवास्तव, नितेश मेलवानी, राजेंद्र सिंह सोलंकी एवं शंकरलाल यादव ने श्री डेहरिया के व्यक्तित्व एवं कार्यकाल को स्मरण करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। सभी वक्ताओं ने उनके सरल, सौहार्दपूर्ण एवं कर्तव्यनिष्ठ व्यवहार की सराहना की।

इस अवसर पर अभिभाषक संघ की ओर से श्री डेहरिया को बाबा महाकाल की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अभिभाषक राधेश्याम यादव द्वारा किया गया, जबकि आभार प्रदर्शन अखिलेंद्र शाह ने व्यक्त किया।

समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्तागण उपस्थित रहे और सभी ने भावपूर्ण शब्दों में श्री डेहरिया को विदाई दी। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिलनवाज खान द्वारा प्रदान की गई।

उपनाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विवाह के पूर्व गायत्री वर्मा पिता श्री जगन्नाथ वर्मा समस्त शैक्षणिक दस्तावेज में अंकित है. यह कि 28 जनवरी 2012 को मेरा विवाह श्री महेंद्र कुमार रावल से होने से अब मेरे अन्य शासकीय दस्तावेज जैसे - आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं बैंक अकाउंट में मेरा नाम गायत्री रावल पति महेंद्र कुमार रावल दर्ज हो गया है एवं अब इसी नाम से जानी पहचानी जाने लगी हूं, यह कि विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से मेरे द्वारा मानव विकास संकाय में गृह विज्ञान विषय अंतर्गत शोध कार्य किया गया था तथा विक्रम विश्वविद्यालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन दिनांक 16 जून 2014 को पीएचडी उपाधि प्राप्त करने उपरांत अब मेरा नाम डॉक्टर गायत्री रावल पति महेंद्र कुमार रावल हो गया है.

स्मृति की मिठास और सेवा की शीतलता

उत्तम सेवा न्यास ने किया जल मंदिर का शुभारंभ

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिलचिलाती धूप और बढ़ते पारे के बीच, मानवता की सेवा और अपनों की स्मृति को जीवित रखने का एक सुंदर संगम आज अंबेडकर चौराहे पर देखने को मिला। स्व. श्रीमती गंगादेवी मांगीलालजी अवस्थी की पुण्य स्मृति में उत्तम सेवा न्यास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी जल मंदिर का भव्य शुभारंभ किया गया। नगर की इस सराहनीय परंपरा का आगाज़ उत्तम सेवा न्यास के अध्यक्ष मनोज सोमानी द्वारा विशेष पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसी प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है, और जब यह कार्य किसी की स्मृति में किया जाए, तो उसकी महत्ता और बढ़ जाती है।

उत्तम सेवा न्यास पिछले 14 वर्षों से निरंतर अंबेडकर चौराहे पर इस जल मंदिर की स्थापना कर रहा है। यहाँ राहगीरों के लिए प्राकृतिक रूप से ठंडे जल की व्यवस्था की जाती है, जो भीषण गर्मी में थके-हारे मुसाफिरों को न केवल राहत देता है बल्कि सुकून भी पहुँचाता है। इस जल मंदिर की एक सबसे खूबसूरत विशेषता यह भी है कि सेवा के इस प्रकल्प से एक व्यक्ति को प्रत्यक्ष रोजगार भी प्राप्त हो रहा है। न्यास द्वारा जल मंदिर की देखरेख और राहगीरों को जल पिलाने की जिम्मेदारी के लिए एक व्यक्ति की नियुक्ति की जाती है, जिससे भीषण गर्मी के इन महीनों में उस परिवार को आर्थिक संबल मिलता है।

यह पहल दर्शाती है कि सेवा कार्य किस प्रकार परोपकार के साथ-साथ स्वावलंबन का माध्यम भी बन सकता है। इस जल मंदिर की संरचना और निर्माण का जिम्मा संस्था के वरिष्ठ सदस्य चेतन नागल और विजय अवस्थी ने बखूबी निभाया। उनकी देखरेख में तैयार यह जल मंदिर अपनी गुणवत्ता और सुचारू व्यवस्था के लिए जाना जाता है।

शुभारंभ के इस पावन अवसर पर नगर के कई गणमान्य नागरिक और समाज सेवी उपस्थित थे। सभी ने संस्था के इस सेवाभावी कार्य की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। उपस्थित नागरिकों का मानना है कि ऐसे प्रयास न केवल समाज को जोड़ते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को परोपकार की सीख भी देते हैं।

अतिक्रमण की भेंट चढ़ा बदनावर, प्रशासन की दिन-रात की मेहनत पर जनता का स्वार्थ फेर रहा पानी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर विकास और सुचारू व्यवस्था के बीच एक ऐसा कड़वा सच है, जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। एक तरफ जहाँ नगर परिषद, बदनावर शहर के सौंदर्यीकरण और विकास कार्यों के लिए दिन-रात एक कर रही है, नई सड़कें, लाइटें और नालियां बना रही है, वहीं दूसरी तरफ शहर की साँसें अतिक्रमण के बोझ तले रुकी जा रही हैं। यह विरोधाभास नगर के सबसे व्यस्त पेटलावद मार्ग और गांधी मार्ग पर साफ़ देखा जा सकता है।

नगर परिषद द्वारा किए जा रहे अथक प्रयासों का सबसे दुखद पहलू यह है कि जनता अपने निजी स्वार्थ के कारण इन विकास कार्यों को अतिक्रमण की भेंट चढ़ा रही है। सड़कों के किनारे नालियां बनने से पहले ही उन पर रैंप और दुकानें तन जाती हैं। फुटपाथ, जो पैदल चलने वालों के लिए हैं, दुकानों के गोदाम और डिस्प्ले काउंटर बन गए हैं। नगर परिषद की मेहनत से तैयार की गई जगह पर अब अतिक्रमण की नई इबारत लिखी जा रही है।

बुधवार को जब हाट बाजार के कारण पैर रखने की जगह नहीं होती, तब कुछ शौकीन अपनी चार पहिया गाड़ियाँ लेकर इन्हीं संकरे रास्तों से निकलना अपनी शान समझते हैं। उनकी यह झूठी शान घंटों तक आम जनता को जाम के नरक में झोंक देती है। ऐसा लगता है कि इन वाहन स्वामियों के लिए सड़कों पर पैदल चलने वाले लोग केवल बाधा मात्र हैं।

कुछ समय पहले जिस चौपाटी को व्यवस्थित करने के दावे किए गए थे, उसकी हालत फिर से वैसी ही हो गई है। ऐसा लगता है कि यहाँ के जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद के शौकीन हैं–तभी जागते हैं जब कोई बड़ा हादसा हो जाए। हादसे के बाद दो-चार दिन डंडे चलते हैं, फोटो खिंचती है और फिर सब कुछ राम भरोसे पुराने ढर्रे पर लौट आता है। बदनावर नगर परिषद ने कई बार अतिक्रमण हटाने की मुहिम चलाई है, लेकिन हर बार नेताओं के फोन और आपसी संबंधों की दुहाई की दीवार खड़ी हो जाती है। यह समय केवल प्रशासन को कोसने का नहीं, बल्कि एक नागरिक के तौर पर अपनी ज़िम्मेदारी समझने का भी है। बदनावर हमारा घर है। यदि हम अपने निजी स्वार्थ और नेताओं की ओट में सड़कों को निगलते रहेंगे, तो कल विकास का हर कार्य एक बड़ा जाम बनकर रह जाएगा। विकास केवल प्रशासन की मेहनत से नहीं, बल्कि जनता की इच्छाशक्ति और सहयोग से भी दिखाई देता है।

जो अपना इतिहास नहीं जानते वो कभी इतिहास नहीं बना सकते - मण्डल अध्यक्ष राजकुमार जैन

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी उन्हेंल मंडल द्वारा बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर ज़ी की जन्मजयंती के अवसर पर उन्हेंल नगर वार्ड क्रमांक 3 बूथ क्रमांक 66 स्थित पंच मालवीय बलाई समाज धर्मशाला मे पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित गया, जिसमे भाजपा मंडल अध्यक्ष राजकुमार जैन ने कार्यकर्ताओ को सम्बोधित कर बाबा साहब के विचारों एवं कार्यों से अवगत कराया इस अवसर पर नगर परिषद के उपाध्यक्ष अखिलेश उपाध्याय और अविनाश विपट ने अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम मे वरिष्ठ नेता दिलीप मोदी चन्दरलाल चौहान, नागेश माली, नंदकिशोर नंदेड़ा , संजय शिंदे , विष्णु प्रजापत , पवन प्रजापत,मालवीय बलाई समाज के अध्यक्ष कैलाशचंद्र सुनेरी, कन्हैयालाल सुनेरी, कैलाश सुनेरी, राहुल सुनेरी, विजय परमार, घनश्याम नवरंग कार्यक्रम का संचालन मंडल महामंत्री तेजू लाल जटिया और आभार राहुल बैरागी ने माना जानकारी मीडिया प्रभारी मयूर जैन ने दी।

मामला मधुमक्खी हमले में छात्र की मौत का...

पहले भी मिली थी सूचना, फिर क्यों नहीं हटे छत्ते? उठे सवाल

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोयतकला स्थित विवेकानंद स्कूल में मधुमक्खियों के हमले से छात्र की मौत के मामले में अब जांच तेज हो गई है। स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रशासन को अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया गया है। वहीं प्रशासन पूरे घटनाक्रम की गहराई से पड़ताल में जुटा हुआ है। एसडीएम किरण वरवड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतक छात्र की पोस्टमार्टम (पीएम) रिपोर्ट एक-दो दिनों में प्राप्त होने की संभावना है। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद जांच से जुड़ी सभी जानकारियों को संकलित कर पूरी फाइल तैयार की जाएगी। जिसे जिला कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जांच प्रक्रिया निरंतर जारी है और किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि स्कूल परिसर में मधुमक्खियों की समस्या पहले से मौजूद थी। जानकारी के अनुसार 15 अगस्त को भी मधुमक्खियों के उड़ने की सूचना सामने आई थी। जिसकी जानकारी स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रशासन को दी गई थी। इसके बावजूद स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, जिससे यह गंभीर सवाल खड़ा होता है कि समय रहते आवश्यक कदम क्यों नहीं उठाए गए। प्रशासन का कहना है कि ऐसी परिस्थितियों में स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी बनती है कि परिसर में मौजूद खतरों को तुरंत दूर किया जाए और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। यदि समय पर मधुमक्खियों के छत्तों को हटाने या सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाते तो संभवतः इस तरह की दुखद घटना को टाला जा सकता था। गौरतलब है कि हाल ही में परीक्षा के दौरान अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने बच्चों पर हमला कर दिया था। इस हमले में कक्षा चौथी के 9 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। जबकि कई अन्य बच्चे घायल हो गए थे। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है।

इधर, इस घटना को लेकर सोशल मीडिया पर भी विरोध तेज हो गया है। लोग लगातार अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि जांच पूरी पारदर्शिता के साथ की जा रही है और दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही जिले के अन्य स्कूलों में भी सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

आगामी परीक्षाएं टलीं- मधुमक्खियों के हमले से छात्र की मौत के बाद अब स्कूल प्रबंधन ने एहतियातन बड़ा निर्णय लेते हुए विद्यालय में अवकाश घोषित कर दिया है। साथ ही आगामी दिनों तक आयोजित होने वाली परीक्षाओं को भी निरस्त कर दिया गया है।

इनका कहना- मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संपूर्ण रिपोर्ट कलेक्टर को प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

-किरण वरवड़े, एसडीएम सुसनेर

ढाबला केलवा में बाबा साहब की प्रतिमा का लोकार्पण, जयंती पर हुआ भव्य आयोजन

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जनपद क्षेत्र के ग्राम ढाबला केलवा में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर 14 अप्रैल मंगलवार को उनकी प्रतिमा का विधिवत लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन में उत्साह का माहौल देखने को मिला। प्रतिमा लोकार्पण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओम मालवीय रहे। विशेष अतिथि के रूप में दिलीप सकलेचा (पूर्व जिला अध्यक्ष), राणा विक्रम सिंह (पूर्व विधायक), चिंतामन राठौड़ (पूर्व जिला अध्यक्ष), डॉ. गजेंद्र सिंह चंद्रावत (जिला उपाध्यक्ष), प्रदीप सोनी (नगर परिषद अध्यक्ष), डॉ. सौरभ जैन (मंडल अध्यक्ष), अमित नागर (सोयत मंडल अध्यक्ष), पवन शर्मा (पूर्व मंडल महामंत्री), जनपद उपाध्यक्ष बाबूलाल यादव, जिला पंचायत सदस्य कालू सिंह सिसोदिया, लक्ष्मण सिंह कावल, पार्षद प्रतिनिधि युगल किशोर परमार एवं अर्जुन जादमें सहित अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात आयोजित सभा में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के जीवन, उनके संघर्षों और भारतीय संविधान निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि ओम मालवीय ने कहा कि बाबा साहब ने समाज के वंचित वर्गों को समान अधिकार दिलाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि केंद्र सरकार द्वारा बाबा साहब से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को 'पंच तीर्थ' का दर्जा देकर उनके विचारों को सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर मेघवाल समाज के हजारों लोग एवं बाबा साहब के अनुयायी उपस्थित रहे।

संविधान बचाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को करना होगा डटकर मुकाबला

डॉ. अंबेडकर जयंती पर कांग्रेस का संकल्प

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा आज संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती के अवसर पर अंबेडकर चौराहे पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष निरंजन सिंह पवार ने कहा कि बाबा साहब ने हमें समाज में समानता का भाव सिखाया है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं। नगर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश होती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बाबा साहब द्वारा निर्मित संविधान को वर्तमान भाजपा सरकार बदलना चाहती है। हमें ऐसी विभाजनकारी शक्तियों का डटकर मुकाबला करना होगा। विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता ने कहा कि जिस संविधान ने भेदभाव की नीति को समाप्त कर समाज में समानता स्थापित की, आज नरेंद्र मोदी की सरकार उसे खत्म करने की कोशिश कर रही है। इसके खिलाफ कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता को पूरी ताकत से खड़ा होना होगा।

इस अवसर पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष अभिषेक टल्ला मोदी, पूर्व नगर कांग्रेस अध्यक्ष सुरेश पटेल, अतुल बाफना, सेवादल अध्यक्ष जितेंद्र जोशी, विधायक प्रतिनिधि विनोद शर्मा, पूर्व ब्लॉक युवा कांग्रेस अध्यक्ष महेश मुकाती, पूर्व मंडल अध्यक्ष धनपाल सिंह, जिला युवक कांग्रेस महासचिव यशवर्धन सिंह पवार उपस्थित थे। साथ ही सुरेश द्विवेदी, जमील कुरैशी, बद्रीलाल पाटीदार, उमेश पाटीदार, दिग्विजय सिंह चुंडावत, अब्दुल खालिद बादशाह, प्रकाश निनामा, प्रकाश मकवाना, संदीप चंद्रावत, पूर्व सरपंच पीरु लाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुसनेर में अतिक्रमण से चरमराई यातायात व्यवस्था

व्यापारियों का सड़क तक कब्जा, भारी वाहन बने जाम की बड़ी वजह

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या दिन-ब-दिन गंभीर रूप लेती जा रही है, जिससे यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराने लगी है। शहर के प्रमुख बाजारों और व्यस्त मार्गों पर व्यापारियों द्वारा सड़क तक किए गए अतिक्रमण और बीच सड़क पर खड़े वाहनों के कारण रोजाना जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। इस समस्या से आमजन, व्यापारी और राहगीर सभी परेशान हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस और निरंतर कार्रवाई देखने को नहीं मिली है।

नगर का सबसे व्यस्त मार्ग हाथी दरवाजा से लोहार दरवाजा तक इन दिनों अतिक्रमण और जाम की समस्या का केंद्र बना हुआ है। यहां दुकानदारों द्वारा अपने प्रतिष्ठानों का सामान सड़क तक फैलाकर रखा जा रहा है, जिससे सड़क की चौड़ाई काफी कम हो गई है। इसके चलते वाहनों का आवागमन प्रभावित हो रहा है और थोड़ी सी भी भीड़ बढ़ते ही लंबा जाम लग जाता है।

स्थिति उस समय और भी अधिक बिगड़ जाती है जब किराना एवं थोक व्यापारियों के यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली, पिकअप और अन्य भारी वाहन माल उतारने के लिए घंटों तक सड़क पर खड़े रहते हैं। इन वाहनों के कारण मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है और लोगों को लंबी दूरी तक जाम में फंसना पड़ता है। कई बार तो स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि दोपहिया वाहन चालकों को भी निकलने में कठिनाई होती है।

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि इस मार्ग से निकलना अब जोखिम भरा और समय लेने वाला हो गया है। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और कामकाजी लोग रोजाना इस समस्या से जूझ रहे हैं। जाम के कारण समय की बर्बादी के साथ-साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।

नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन इस समस्या से पूरी तरह अवगत होने के बावजूद केवल औपचारिक कार्रवाई कर अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है। हाल ही में पुलिस द्वारा हाथी दरवाजा क्षेत्र में एक दिन वाहनों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की गई थी, लेकिन इसके बाद कोई निरंतर अभियान नहीं चलाया गया। परिणामस्वरूप स्थिति जस की तस बनी हुई है।

नगरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि अतिक्रमण हटाने के लिए नियमित अभियान चलाया जाए और सड़क पर अवैध रूप से खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, भारी वाहनों के लिए निश्चित समय और स्थान निर्धारित किया जाए, ताकि बाजार क्षेत्र में जाम की समस्या से राहत मिल सके। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

इनका कहना

शहर में अतिक्रमण की समस्या को गंभीरता से लिया गया है। जल्द ही नगर परिषद, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा विशेष अभियान चलाकर सड़कों से अतिक्रमण हटाया जाएगा तथा अवैध रूप से खड़े वाहनों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि नागरिकों को जाम की समस्या से राहत मिल सके।

-प्रदीप सोनी,
अध्यक्ष नगर परिषद सुसनेर

समय-समय पर चालानी कार्रवाई की जा रही है और जल्द ही नगर परिषद के साथ संयुक्त अभियान चलाकर सख्ती से अतिक्रमण हटाया जाएगा, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु हो सके।

-अक्षय सिंह बेस,
थाना प्रभारी सुसनेर

संगीत की मधुर धुनों के बीच वर्षीतप आराधकों का भव्य सम्मान समारोह, नागदा के जैन समाज मे ऐतिहासिक आयोजन

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जैन समाज में तप, त्याग और आध्यात्मिक साधना की गौरवशाली परंपरा को जीवंत करते हुए नागदा में एक भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। वर्षीतप आराधकों के सम्मान में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम ने श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक समन्वय का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत हुआ।

नवकार सोशल ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ राजेश धाकड (भाजपा उज्जैन जिला गाम्रीण अध्यक्ष) सकल जैन श्री संघ अध्यक्ष राजेन्द्र काठेड, पार्श्व प्रधान पाठशाला ट्रस्ट मण्डल, चन्दा प्रभु ट्रस्ट मण्डल, शान्तिनाथ जिनालय ट्रस्ट मण्डल, राजेन्द्र सुरि दादावाडी ट्रस्ट मण्डल, नाकोडा पार्श्वनाथ ट्रस्ट मण्डल सहित मुतिपूजक संघ अध्यक्ष मनीष व्होरा एवं नागदा परिवार के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात सोनम कोलन ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया, वहीं दिलीप सिसोदिया ने भक्ति गीतों के माध्यम से वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया।

संगीत की मधुर धुनों के बीच जब वर्षीतप आराधकों का वधावना (स्वागत) किया गया, तो उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत दिखाई दिया।

पग पखार एवं बहुमान से हुआ सम्मान- कार्यक्रम की विशेष आकर्षण वर्षीतप आराधकों का पारंपरिक पग पखार (चरण पूजन) एवं बहुमान रहा। समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने आराधकों के चरण धोकर उनका सम्मान किया। इस दौरान ÷वर्धमान वीर प्रभु की जय÷ के जयघोष से पूरा परिसर गूंज उठा।

आराधकों के तप, संयम और त्याग के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए नागदा परिवार द्वारा शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिह्न भेंट किए गए। इस अवसर पर भाजपा उज्जैन जिला ग्रामीण अध्यक्ष राजेश धाकड़ एवं विपीन वागरेचा सहित अन्य वक्ताओं ने वर्षीतप की महिमा और उसके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

नागदा परिवार बना कार्यक्रम का मुख्य लाभार्थी- इस आयोजन में स्वर्गीय मन्नालाल जी, राजमल जी एवं सुभाष जी नागदा की धर्म भावना के अनुरूप नागदा परिवार–मधु जी, सुभाष जी एवं ऋषभ जी नागदा–ने मुख्य लाभार्थी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाएं अत्यंत सुव्यवस्थित रहीं, जिससे सभी श्रद्धालुओं और अतिथियों को एक अनुशासित एवं गरिमामय आयोजन का अनुभव मिला। नागदा परिवार ने इस सेवा अवसर को अपना सौभाग्य बताते हुए समाज का आभार व्यक्त किया।

जैन समाज में पहली बार ऐसा आयोजन- यह आयोजन कई मायनों में विशेष रहा, क्योंकि जैन समाज में पहली बार नवकार सोश्यल ग्रुप के बेनरतले इस प्रकार का भव्य, संगठित और भावनात्मक कार्यक्रम आयोजित हुआ । इसमें आध्यात्मिकता के साथ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भी सुंदर समावेश किया गया, जिसने कार्यक्रम को और भी आकर्षक बना दिया।

भावुक विदाई के साथ हुआ समापन- सकल जैन श्री संघ की उपस्थिति में कार्यक्रम का समापन अत्यंत भावुक वातावरण में हुआ। वर्षीतप आराधकों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। श्रद्धालुओं ने उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया और भविष्य में समाज का मार्गदर्शन करते रहने का आग्रह किया।

सम्मानित तपस्वी- इस अवसर पर सम्मानित तपस्वियों में सुदिक्षा चपलोत, कीर्ति काकरिया, मोहन बाई कोठारी, सुनीता सकलेचा, कमलनयन चपलोत, डॉ. विपीन वागरेचा, रचना चपलोत, प्राची भटेवरा, प्रतिभा बुरड़ एवं हीरामणी ओरा प्रमुख रूप से मंचासीन रहे।

आभार एवं संकल्प - कार्यक्रम के अंत में राजेश सकलेचा, शरद जैन, अमित बम, दीपक गांग, कमलेश नागदा, सिद्धार्थ कांठेड, हर्षित नागदा, प्रथम काठेड एवं रितेश नागदा ने सभी सहयोगियों, दानदाताओं एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया।

साथ ही यह संकल्प लिया गया कि भविष्य में भी ऐसे आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायक आयोजनों का सिलसिला निरंतर जारी रहेगा।

डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है - विधायक गहलोत

जिला स्तर पर धूमधाम से मनाई गई डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती

आगर-मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जिला मुख्यालय स्थित नवीन मांगलिक भवन, कंपनी गार्डन आगर-मालवा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्री मधु गेहलोत उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा बाबा साहब अंबेडकर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। अतिथियों का स्वागत डिप्टी कलेक्टर कमल मंडलोई द्वारा किया गया, वहीं कार्यक्रम की रूपरेखा जिला संयोजक, जनजातीय कार्य विभाग शेखर उईके ने प्रस्तुत की।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि भेरूसिंह चौहान, गिरधारीलाल मालवीय, जिला पंचायत सदस्य मोहन मकवाना एवं श्री पर्वतलाल गुहाटिया, महेरबान सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं कनक चौहान, दिलकुश मालवीय, सुमित भिलाला, रविंद्र चंद्रवंशी एवं अंतरजातीय विवाह करने वाले जोड़ों को अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। बालिका पोस्ट मैट्रिक छात्रावास की छात्राओं ने डॉ. अम्बेडकर के सामाजिक समरसता के विचारों पर आधारित नृत्य-नाटक की आकर्षक प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा। पोस्ट मैट्रिक छात्रावास के छात्र ईश्वर सूर्यवंशी को भी स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि विधायक श्री गेहलोत) ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का जीवन हमें समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के माध्यम से समाज के हर वर्ग को समान अवसर प्रदान किए और हमें उनके बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक समरसता एवं भाईचारे को मजबूत करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाएं और देश के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं।

इस अवसर पर गिरधारीलाल मालवीय ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा साहब के योगदान को स्मरण किया। कार्यक्रम का सफल संचालन शरद बंशिया द्वारा किया गया तथा अंत में राकेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया।

भगवान भरोसे उज्जैन का ट्रैफिक... शहर जाम से बेहाल

मुख्य चौराहों पर पुलिस बल की कमी, सुबह-शाम घंटों जाम से जूझ रहे लोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक नगरी उज्जैन की यातायात व्यवस्था इन दिनों संकट से गुजर रही है। शहर का पूरा ट्रैफिक महज 80 यातायात पुलिसकर्मियों के भरोसे चल रहा है, जबकि जरूरत कम से कम 200 से 250 जवानों की बताई जा रही है। बढ़ते वाहनों और संकरे मार्गों के बीच पुलिस बल की कमी अब सीधे तौर पर शहरवासियों के लिए परेशानी का कारण बन रही है।

स्थिति यह है कि शहर के कई प्रमुख और व्यस्त चौराहों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं है। नतीजतन, सुबह कार्यालय समय और शाम को बाजारों में खरीददारी के दौरान लंबा जाम लगना आम बात हो गई है। कई इलाकों में तो घंटों तक यातायात पूरी तरह थम जाता है। पुराने शहर के प्रमुख क्षेत्र जैसे गोपाल मंदिर, सराफा, कंठाल, तेलीवाड़ा, नई सड़क, फव्वारा चौक, तोपखाना और इंदौर गेट में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। इन इलाकों में ट्रैफिक दबाव अधिक होने के बावजूद पुलिस की मौजूदगी न के बराबर है। यातायात विभाग के अधिकारियों का भी मानना है कि मौजूदा बल शहर की जरूरतों के हिसाब से बेहद कम है। विभाग ने इस समस्या को लेकर मुख्यालय को अवगत कराते हुए अतिरिक्त बल की मांग भी की है। अधिकारियों का कहना है कि जब तक कम से कम 200 जवानों की तैनाती नहीं होती, तब तक ट्रैफिक व्यवस्था को संतुलित करना मुश्किल है।

जाम से बिगड़ रही दिनचर्या- शहरवासियों का कहना है कि रोजाना लगने वाले जाम से न सिर्फ समय बर्बाद हो रहा है, बल्कि व्यापार और कामकाज पर भी असर पड़ रहा है। स्कूल बसें, एंबुलेंस और जरूरी सेवाएं भी इस अव्यवस्था की चपेट में आ रही हैं।

सबसे बड़ी बाधा,कर्मचारियों की कमी- यातायात विशेषज्ञों के अनुसार, सिर्फ ट्रैफिक नियम सख्त करने से समस्या हल नहीं होगी। इसके लिए मैदान में पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती जरूरी है, जो चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों को नियंत्रित कर सके।

उज्जैन ट्रैफिक की स्थिति एक नजर में

वर्तमान यातायात पुलिस बल- लगभग 80 जवान

आवश्यक बल- 200-250 जवान

सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र- गोपाल मंदिर, सराफा, कंठाल, नई सड़क, फव्वारा चौक

समस्या का समय- सुबह ऑफिस टाइम, शाम बाजार समय

मुख्य कारण- पुलिस बल की कमी और बढ़ता ट्रैफिक दबाव

माधव विज्ञान महाविद्यालय में बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर की जयंती मनाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में डॉक्टर अंबेडकर की जन्म जयंती कार्यक्रम संपन्न स्थानीय शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय में डॉक्टर अंबेडकर की जन्म जयंती के उपलक्ष में एक कार्यक्रम आयोजित किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. प्रेमलता चुटैल रही, जिन्होंने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि डॉ. अंबेडकर का विशाल व्यक्तित्व किसी एक फ्रेम में नहीं समा सकता उन्होंने जीवन के हर आयाम के संबंध में अपना विचार एवं सहज हाल प्रस्तुत किया है । कार्यक्रम का अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ. हरीश व्यास प्राचार्य शासकीय माधव विज्ञान महाविद्यालय के द्वारा किया गया, जिसमें उन्होंने डॉ. अंबेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की आज के योग में प्रासंगिकता बताई कार्यक्रम के संबंध में अनेक सारे प्राध्यापक जैसे डॉ. आर.के. तिवारी, डॉ. भांभरा, डॉ. जीवन सिंह सोलंकी एवं पूर्व छात्र श्री राम सोलंकी ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर के. के. कुंभकार ने किया एवं आभार व्यक्त डॉ. आर.के. नीमा द्वारा किया गया ।

अंबेडकर जयंती पर सुबह निकली प्रभात फेरी और रैली

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती पर मंगलवार सुबह शहर में अभा बैरवा महासभा सहित विभिन्न संगठनों द्वारा प्रभात फेरी और रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन, युवा और कार्यकर्ता शामिल हुए। आज सुबह 7-30 बजे बागपुरा स्थित संत बालीनाथ प्रांगण से प्रभात फेरी की शुरुआत हुई। हाथों में नीले झंडे और बाबा साहेब के चित्र लिए श्रद्धालु घंटाघर स्थित प्रतिमा तक पहुंचे। पूरे मार्ग में बाबा साहेब के विचारों का प्रचार-प्रसार किया गया और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया। टावर चौक पर अजाक्स संगठन सहित विभिन्न संस्थाओं ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान संविधान जिंदाबाद के नारों से माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम में भाजपा नेताओं और पार्षदों ने भी सहभागिता करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें बाबा साहेब के जीवन, संघर्ष और उनके विचारों को प्रस्तुत किया गया। वक्ताओं ने शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। शहर के विभिन्न हिस्सों में दिनभर कार्यक्रमों का सिलसिला जारी रहा। निकास चौराहे पर शाम के समय भी आयोजन हुए। जहां समाजजनों ने एकजुट होकर बाबा साहेब को याद किया। अंबेडकर जयंती पर निकली इस रैली ने बाबा साहेब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश भी दिया।

तलवार दिखाकर हत्या की धमकी देने वाले बदमाश गिरफ्तार

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हाथ में तलवार लेकर आये बदमाशों ने हत्या की धमकी दी और प्लाट अपने नाम कराने की बात कहने लगे। यहीं नही बदमाशों ने पीड़ित परिवार के मकान और बाइक में तोड़फोड़ कर उत्पता मचाते हुए पूरे क्षेत्र में दहशत फैलाई। पुलिस ने 3 बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। बड़नगर थाना क्षेत्र के ग्राम नावदा में 7 अप्रैल को राजपूत परिवार से जुड़े 2 भाईयों ने अपने साथी के साथ मिलकर पाटीदार परिवार के घर पहुंचकर उत्पात मचाते हुए कस्बे में दहशत फैलाई थी। तीनों ने तलवार लहराते हुये धमकी दी कि प्लाट हमारे नाम नहीं किया तो जान से मार देगें। उन्होने पाटीदार परिवार की बाइक भी क्षतिग्रस्त कर दी। घटनाक्रम के बाद मामले में आस्था पिता गणेश पाटीदार 23 साल ने मामले की शिकायत बड़नगर थाने पहुंचकर दर्ज कराते हुए बताया कि रात में घर पर वह अपनी मां संगीता और दादी कमलाबाई के साथ घर पर थी। तभी सामने रहने वाला बबलू पिता हाकमसिंह अपने भाई विशाल और अरूण पिता दरबारसिंह निवासी पायकुंडा के साथ आये थे। तीनों ने तलवार दिखाकर जान से मारने की धमकी देते हुए प्लान नाम करने की बात कहीं और मकान और बाइक में तोड़फोड़ की। थाना प्रभारी अशोक पाटीदार ने बताया कि घटना की मौके पर तस्दीक की गई, सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया, जिसमें बदमाशों द्वारा उत्पात साफ दिखाई दिया। आस्था पाटीदार की शिकायत पर हत्या की धमकी देने, आर्म्स एक्ट और अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश के लिये एएसआई गोवर्धनदास बैरागी, प्रधान आरक्षक हेमराज खरे, नारायण सरा, कैलाश गरवाल, सैनिक गोवर्धन डाबी की टीम बनाई गई। 6 दिनों की तलाश के बाद तीनों को सोमवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। जिनसे तलवार बरामद की गई। तीनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। दोनों भाई बबलू और विशाल के खिलाफ पूर्व में 5 प्रकरण दर्ज है।

कीचड़ और तपती धूप के बीच आस्था का प्रवाहः पंचकोशी यात्री कालियादेह महल पहुंचे

52 कुंड में स्नान के बाद उंडासा पड़ाव की ओर बढ़े श्रद्धालु, 40 डिग्री तापमान भी नहीं तोड़ पाया उत्साह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचकोशी यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं की आस्था मंगलवार सुबह कालियादेह महल पर चरम पर नजर आई। यात्रा के दूसरे दिन हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचे और परंपरा के अनुसार 52 कुंड में पवित्र स्नान किया। स्नान के बाद श्रद्धालु अलग-अलग जत्थों में अगले पड़ाव जैथल से होकर उंडासा की ओर रवाना होते दिखे।

मंगलवार को सुबह कालियादेह महल स्थित बावन कुंड क्षेत्र में व्यवस्थाओं की पोल भी खुलती नजर आई। कुंडों के आसपास कीचड़ पसरा हुआ था, जिसके बीच से होकर श्रद्धालुओं को गुजरना पड़ा। बावजूद इसके आस्थावानों के कदम नहीं डगमगाए और वे पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहे।

करीब 40 डिग्री तापमान और तेज धूप के बावजूद श्रद्धालुओं के जोश में कोई कमी नहीं दिखी। सिर पर पोटली, हाथों में पूजन सामग्री और मन में भगवान के प्रति अटूट विश्वास लिए श्रद्धालु कठिन परिस्थितियों को भी सहज भाव से स्वीकारते नजर आए। उल्लेखनीय है कि पंचकोशी यात्रा लगभग 118 किलोमीटर लंबी होती है, जिसे श्रद्धालु पांच दिनों में पूर्ण करते हैं। हर पड़ाव पर धार्मिक अनुष्ठान, दर्शन और विश्राम के साथ यह यात्रा आस्था, तप और श्रद्धा का अनूठा संगम बन जाती है।

रात में अंबोदिया पड़ाव पहुंचे कलेक्टर- पंचकोशी यात्रा के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सोमवार रात अचानक अंबोदिया स्थित बिलकेश्वर महादेव मंदिर पड़ाव पर पहुंच गए। उन्होंने यहां ठहरे यात्रियों से सीधे बातचीत कर प्रशासनिक इंतजामों की हकीकत जानी।

कलेक्टर ने यात्रियों से पेयजल, शौचालय, रोशनी, चिकित्सा सुविधा, टेंट और रात्रि विश्राम की व्यवस्थाओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। इस दौरान अधिकांश यात्रियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष जताया और प्रशासन की तैयारियों को सराहा।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पूरे पड़ाव क्षेत्र का पैदल भ्रमण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने कहा कि पंचकोशी यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं देना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कलेक्टर ने बताया कि सभी प्रमुख और उप-पड़ाव स्थलों पर पेयजल टैंकर, अस्थायी शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, पर्याप्त रोशनी और टेंट की व्यवस्था की गई है, ताकि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रेयांश कुमट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे और व्यवस्थाओं की निगरानी करते नजर आए।

महाकाल की भस्म आरती में पहुंचे क्रिकेटर नीतीश राणा और अभिनेता मिलिंद सोमन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धर्मनगरी उज्जैन में स्थित ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार सुबह प्रातःकालीन भस्म आरती के दौरान देश की दो प्रमुख हस्तियों ने दर्शन लाभ लिया। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी नितीश राणा और फिल्म अभिनेता मिलिंद सोमन भगवान महाकाल की भस्म आरती में शामिल हुए। दोनों ने सुबह ब्रह्ममुहूर्त में होने वाली इस विशेष आरती में दोनों ने विधिवत पूजन-अर्चन कर भगवान महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में उनके आगमन को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल रहा। महाकाल मंदिर की भस्म आरती देश-विदेश में प्रसिद्ध है, जिसमें शामिल होने के लिए भक्त दूर-दूर से उज्जैन पहुंचते हैं। इस दौरान मंदिर प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं, जिससे दोनों ने आसानी से दर्शन किए। धार्मिक नगरी उज्जैन में इन दिनों आस्था का विशेष माहौल बना हुआ है और लगातार देश की जानी-मानी हस्तियां बाबा महाकाल के दरबार में पहुंचकर श्रद्धा अर्पित कर रही हैं।

बाहरी रूटों से आने वाले वाहनों के लिए बनाएंगे नई पार्किंग

सुबह संभागायुक्त व कलेक्टर ने गरोठ हाईवे, जैथल-सोडंग और आगर रोड क्षेत्र का लिया जायजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार सुबह सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगम यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए संभागायुक्त और कलेक्टर ने संभावित पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के संभाग आयुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने जावरा, गरोठ, आगर और मक्सी मार्ग से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग के लिए चिन्हित स्थानों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उनके साथ विकास प्राधिकरण के सीईओ संदीप सोनी भी मौजूद थे। इस दौरान गरोठ हाईवे के नीचे कमेड क्षेत्र, जैथल-सोडंग पंचकोशी मार्ग और आगर रोड स्थित पांच नंबर नाका क्षेत्र की भूमि का बारीकी से निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि पार्किंग स्थलों का विकास इस प्रकार किया जाए कि बड़े स्तर पर आने वाले वाहनों को व्यवस्थित तरीके से खड़ा किया जा सके और शहर के भीतर यातायात का दबाव कम रहे। साथ ही श्रद्धालुओं को पार्किंग से मुख्य मेला क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए सुगम और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन में यातायात प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण चुनौती होता है, ऐसे में बाहरी रूटों पर ही वाहनों को रोकने और वहां से शटल व्यवस्था विकसित करने की योजना पर विशेष जोर दिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि समय रहते पार्किंग और ट्रैफिक प्लान को अंतिम रूप देकर श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि सिंहस्थ 2028 में अव्यवस्था की स्थिति न बने और आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से पूरा हो सके।

जहरीली गैस से डेढ़ माह की बालिका की मौत

तीन मासूम भाई-बहन की हालत गंभीर, एफएसएल टीम पहुंची मौके पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर रोड स्थित त्रिवेणी हिल्स से मंगलवार को दर्दनाक हादसा होना सामने आया। जहरीली गैस से चार मासूम भाई बहन बेसुध हो गए। चारों को अस्पताल ले जाया गया जहां डेढ़ माह की बालिका की मौत हो गई तीन की हालत गंभीर बनी हुई है।

नानाखेड़ा थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने बताया कि शाजापुर से पूजा पति राहुल अपनी दो बेटी त्रिशा डेढ़ माह और जेनिश 5 साल के साथ अपने पिता लालचंद प्रजापत के यहां त्रिवेणी हिल्स आई हुई थी। पूजा की बहन रीना भी अपने दो बच्चे अनु 4 साल और बाबू साढ़े 3 माह के साथ पिता लालचंद प्रजापत के यहां त्रिवेणी हिल्स आ गई थी। पिता ने घर में चार क्विंटल गेहूं भरे थे और एक कमरे में रखे थे। गेहूं में सल्फास के पाउच रखे गए थे जिससे गेहूं खराब ना हो। लेकिन कमरे में जहरीली गैस फैल गई और चारों बच्चे बेसुध हो गए। त्रिशा की हालत सबसे ज्यादा गंभीर होने पर मंगलवार सुबह उसे अस्पताल ले जाया गया जहां दोपहर में उसकी मौत हो गई इस बीच जेनिशा, अनु और बाबू की भी हालत बिगड़ने लगी थी उन्हें भी अस्पताल ले जाया गया जहां जेनिशा की हालत गंभीर बनी हुई थी वहीं दो अन्य बच्चों की हालत भी चिंताजनक थी। घटनाक्रम की जानकारी लगने के बाद पुलिस अस्पताल पहुंची थी वहीं जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया था। पिता के घर आई दो बहनों के बच्चों के साथ हुई घटना के बाद पूरे परिवार का माहौल गमगीन हो गया था, आसपास के लोग भी घटना की जानकारी लगने के बाद प्रजापत परिवार के दुख में दुखी हो गए थे। पुलिस ने डेढ़ माह की त्रिशा का पोस्टमार्टम करने के बाद शाम को शव परिजनों के सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल के मुख्यातिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के अवसर पर कालिदास संस्कृत अकादमी के पं. सूर्य नारायण व्यास संकुल सभागृह में जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रभारी मंत्री श्री गौतम टेटवाल थे।

प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने अपने उद्बोधन में डॉ. भीमराव अंबेडकर को भारत के महान सपूत, संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के अग्रदूत और भारत रत्न के रूप में याद किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समर्पण और संकल्प की गाथा है। उनका मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो आज भी भारत के पुनर्निर्माण का मूल मंत्र है।

मंत्री श्री टेटवाल ने बाबा साहेब के बहुआयामी योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पहले भारतीयों में से थे, जिन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में पीएचडी, लंदन विश्वविद्यालय से डीएससी तथा बार-एट-लॉ की उपाधि प्राप्त की।

श्री टेटवाल ने कहा कि बाबा साहेब ने संविधान में न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व की अवधारणा को स्थान दिया। उन्होंने अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव और सामाजिक विषमताओं के खिलाफ आजीवन संघर्ष किया।

मंत्री श्री टेटवाल ने यह भी बताया कि बाबा साहेब के टाइपिस्ट और निजी सचिव ब्राह्मण वर्ग के थे, उनके गुरु महात्मा ज्योतिबा फुले थे तथा गुरु ब्रह्म कृष्ण केशव अंबेडकर ने ही उन्हें अंबेडकर सरनेम दिया।

केंद्र सरकार द्वारा बाबा साहेब के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख स्थलों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करने, दिल्ली में डिजिटल स्मारक डॉ. अंबेडकर नेशनल मेमोरियल बनाने, प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर जयंती समारोह आयोजित करने तथा अनुसूचित जाति-जनजाति के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा एवं विदेश अध्ययन हेतु स्कॉलरशिप की व्यवस्था करने का जिक्र करते हुए मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार भी मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से इन पंच तीर्थों को शामिल कर बाबा साहेब के प्रति अपनी सच्ची निष्ठा व्यक्त कर रही है।

अंत में प्रभारी मंत्री श्री टेटवाल ने सभी से आग्रह किया कि हम बाबा साहेब के विचारों को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारें। उन्होंने हर गरीब को न्याय, हर युवा को अवसर, हर महिला को सम्मान और समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव न रहे का संकल्प दोहराया।

हीरामिल की चाल में युवक को बदमाशों ने मारी गोली

तड़के हिरासत में आया एक आरोपी दो की तलाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। हीरा मिल की चाल में सोमवार मंगलवार बदमाशों ने एक युवक को गोली मार दी। पुरानी रंजिश में हुई घटना के कुछ घंटे बाद तड़के पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया, दो फरार है जिनकी तलाश की जा रही है, हिरासत में आए आरोपी का पुलिस ने क्षेत्र में जुलूस निकाला।

विष्णुपुरा में रहने वाला लव पित्ता चंद्रकांत निर्मल 24 साल अपने दोस्त रोहित की बारात में जाने के लिए साथियों के पास हीरामिल की चाल बाइक से आया था। जहां से वह ध्रुव और देव के साथ कार में सवार होकर करोहन बारात में शामिल होने चला गया। उसने अपनी बाइक हीरामिल क्षेत्र स्थित ब्रिज के नीचे खड़ी की थी। रात में करोहन से 1 बजे के लगभग ध्रुव, देव और लव वापस लौटे। इस दौरान लव अपनी बाइक लेने ब्रिज के नीचे पहुंचा। उसी दौरान गुर्जर गैंग के बदमाश अनमोल और उसके साथी जय बच्चा ने उसे घेर लिया। लव कुछ समझ पाता उससे पहले अनमोल गुर्जर ने पिस्टल निकालकर उस पर फायर कर दिया। लव को एक गोली छूकर निकल गई। दूसरी गोली उसके पैर में लगी। हमला करने के बाद दोनों बदमाश अपने तीसरे साथी के साथ भाग निकले। गोली चलने की आवाज सुनकर ध्रुव और देव ब्रिज के नीचे पहुंचे जहां उन्होंने लव को घायल हालत में देखा। तत्काल अपनी कार से उसे अस्पताल लेकर आए। गोली चलने की सूचना मिलते ही देवासगेट थाना पुलिस घटना स्थल पहुंची जहां से लव के बयान दर्ज करने के लिए चरक अस्पताल आई। लव के बयान दर्ज कर रात में ही पुलिस ने गोली चलाने वाली की धरपकड़ के प्रयास शुरू किए। देवास गेट थाना उप निरीक्षक राधेश्याम आवलिया ने बताया कि जा रहा है कि कुछ घंटे की तलाश के बाद गोली कांड में शामिल जय उर्फ बच्चा को गिरफ्तार कर लिया गया जिसका क्षेत्र में जुलूस निकाला गया और न्यायालय में पेश कर दो दिन की रिमांड पर लिया गया। गोली कांड में शामिल अनमोल और एक अन्य की तलाश जारी है जिनके गिरफ्त में आने पर गोली चलाने वाला कट्टा बरामद किया जाएगा। घायल के अनुसार वह मैजिक चालक है। सालभर पहले विशाल सांडिया से विवाद हुआ था। विशाल अनमोल गुर्जर का साथी है। उसी रंजिश के चलते उस पर हमला हुआ है।

आग लगाने वालो की धरपकड़ शुरू- ढांचा भवन में रहने वाले कुख्यात बदमाश रौनक गुर्जर के घर लगाई गई आग का सोशल मीडिय पर वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने आग लगाने वाले बदमाशों की धरपकड शुरू कर दी है। रात में कुछ बदमाओं को हिरासत में भी लिया गया है जो बुंदेला गैंग से जुड़े हुए हैं। आग लगाने वालों में फुटेज के आधार पर एक बदमाश कमल परमार की पहचान हो चुकी है। पुलिस हिरासत में अन्य बदमाश भी है। थाना प्रभारी विवेक कनोड़िया का कहना है कि आगजनी की शिकायत दर्ज करने कोई सामने नहीं आया है लेकिन वीडियो सामने आने पर पुलिस ने स्वत संज्ञान लिया है।

शहरी क्षेत्र की सड़कों के चौड़ीकरण कार्यों में तेजी लाएं, बारिश के पहले आधारभूत कार्य पूर्ण कर लें - संभागायुक्त

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ महापर्व 2028 के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से प्रचलित निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण के तहत मंगलवार दोपहर को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह और कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ के अंतर्गत नगर निगम द्वारा शहरी क्षेत्र की सड़कों के चौड़ीकरण के प्रचलित कार्यों का मौके पर पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया और कार्य प्रगति की जानकारी ली। संभागायुक्त श्री सिंह ने निर्देश दिए कि मार्ग चौड़ीकरण के कार्यों में तेजी लाएं। वर्षा ऋतु प्रारंभ होने के बाद कार्य प्रभावित नही हो इसके लिए आधारभूत कार्य पूर्ण कर लें। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के मार्गों का चौड़ीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की मंशानुरूप कार्य गुणवत्ता पूर्ण और समय सीमा में पूर्ण हो इसके लिए प्रशासनिक अधिकारी प्रतिदिन निर्माण कार्यों की प्रगति देखने मौके पर पहुंच रहे है। संभागायुक्त श्री सिंह और कलेक्टर श्री सिंह ने नगर निगम द्वारा देवास रोड़ पर ग्राम हामूखेड़ी मुख्य सड़क चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। यहां पर मार्ग के दोनों ओर पेयजल पाइप लाइन, सीवरेज लाइन का कार्य प्रचलित है। संभागायुक्त श्री सिंह ने कार्य तेजी से करने के लिए प्रतिदिन कार्य प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री सिंह ने पंचमपुरा चौराहा, एलपी भार्गव नगर से दो तालाब तक सीसी सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

नारी शक्ति नेतृत्व का नवयुग

'नारी शक्ति वंदन' सम्मेलन

15 अप्रैल, 2026 | रवीन्द्र भवन, भोपाल

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

"प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33% आरक्षण सुनिश्चित करने वाला **'नारी शक्ति वंदन अधिनियम'** नारी शक्ति के सम्मान, स्वाभिमान और सशक्त भविष्य का ऐतिहासिक संकल्प है। इस युगांतरकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री जी का हृदय से **अभिनंदन एवं आभार**"

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

सशक्त नारी, सशक्त देश

राज्य स्तरीय नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा
(10 -25 अप्रैल 2026)

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D11006/26

आकल्पन: म.प्र. माध्यम/2026